www.tamsasanket.com
वर्षः 29 || अंक 163 || अम्बेडकरनगर
शुक्रवार
04 सितम्बर 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक
तमसा संकेत
https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:46
सूर्यास्तः 06:25
अधिकतमः 31°00
न्यूनतमः 26°00

पेज 07

विशेष समाचार
शिक्षा कोरी नियुक्ति ही नहीं... >>पेज 04
कौशांबी विस्फोटः पटाखा... >>पेज 06
हर्षिता गौर का दिल टूटा दो साल ...

सीएम योगी ने कहा पिछले कुछ सालों में यूपी में कानून-व्यवस्था की स्थिति बदली है

'अब त्योहारों पर उपद्रव नहीं होता'

कार्यक्रम

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा । मथुरा में सीएम योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को कहा- पहले त्योहारों से पहले उपद्रव का डर रहता था, आज उपद्रव से पहले व्यवस्था की बात होती है। पिछले कुछ सालों में यूपी में कानून-व्यवस्था की स्थिति बदली है। अब त्योहारों से पहले लोगों के मन में डर नहीं, बल्कि सुरक्षित माहौल को लेकर भरोसा रहता है। मथुरा-वृंदावन समेत पूरे ब्रज क्षेत्र में विकास के काम तेजी से हो रहे हैं। स्मार्ट सिटी योजना के तहत मथुरा-वृंदावन के कायाकल्प का काम आगे बढ़ रहा है। पिछले आठ वर्षों में ब्रज तीर्थ विकास परिषद ने करीब एक हजार करोड़ रुपए की लागत से कई विकास कार्य पूरे किए हैं। वे गीता शोध संस्थान परिसर में 1051 करोड़ रुपए की लागत वाली 229 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम में बोल रहे थे। कार्यक्रम में पीएम आवास योजना (शहरी) और सीएम आवास योजना (ग्रामीण) के लाभार्थियों को 72 करोड़ रुपए से अधिक की सहायता राशि वितरित की।

>> (शेष पेज 06 पर)

400 एकड़ में सिटी फॉरेस्ट विकसित करेंगे

वृंदावन क्षेत्र में करीब 400 एकड़ में सिटी फॉरेस्ट विकसित किया जा रहा है। यह परियोजना पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ मथुरा-वृंदावन के सौंदर्यीकरण और पर्यटन को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। योगी बोले- हमारी विरासत संगीत में है, हमारी कला में है, हमारे दर्शन में है, गणित में है, विज्ञान में है, चिकित्सा में है, खगोल ज्ञान में है, हमारी लोक परंपराओं में है और हमारी ज्ञान परंपरा में है। इसीलिए डबल इंजन की सरकार ने प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में विकास का एक नया आयाम जोड़ा है- 'विरासत भी और विकास भी', 'आस्था भी और आर्थिकी भी', यानी अर्थव्यवस्था भी।

>> (शेष पेज 06 पर)

> सीएम योगी ने बताया- 84 कोस, 5 कोस और 3 वन परिक्रमा क्षेत्र के विकास का काम भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। हम ब्रज क्षेत्र की धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत को संरक्षित करने के साथ-साथ यहां आने वाले श्रद्धालुओं के लिए सुविधाएं विकसित कर रहे हैं।

परंपरा बचे और आधुनिकता भी आए

हमारी कोशिश है कि आस्था भी रहे और आर्थिक स्थिति भी मजबूत हो, परंपरा भी बचे और उसके साथ आधुनिकता भी आए। अयोध्या, काशी, मथुरा-वृंदावन, बरसाना, गोवर्धन, नंदगांव, बलदेव और विंध्याचल जैसे तीर्थस्थलों का विकास इसी सोच के साथ किया जा रहा है। सीएम योगी के साथ मंच पर कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण, प्रभारी मंत्री संदीप सिंह, सांसद हेमा मालिनी, राज्यसभा सांसद तेजवीर सिंह, विधायक श्रीकांत शर्मा, एमएलसी योगेश नौहवार, भाजपा जिलाध्यक्ष निर्भय पांडे और महानगर अध्यक्ष हरीशंकर यादव मौजूद रहे।

मथुरा सांसद हेमा मालिनी बोलीं-राधे राधे बांके बिहारी लाल का जयकारा लगाया

फर्रुखाबाद में मुख्यमंत्री ने हवाई सर्वेक्षण कर देखे बाढ़ के हालात, पीड़ितों से मिलकर दिलाया विश्वास- हर दुःख-दर्द में साथ खड़ी है सरकार

पुलिस लाइन में 1000 परिवारों को किया गया बाढ़ राहत सामग्री का वितरण, मुख्यमंत्री ने कई परिवारों को प्रदान की सामग्री

आश्रयहीन परिवारों को भूमि आवंटन प्रमाण पत्र तथा आपदा मोचक निधि से राहत राशि के चेक भी दिए मुख्यमंत्री ने

50 किलो राहत सामग्री किट दे रही सरकार, अस्पतालों में दवा, एंटी स्नेक वेनम व एंटी रेबीज वैक्सीन उपलब्ध

- मुख्यमंत्री

सीएम ने प्रशासन, पीडब्ल्यू समेत संबंधित विभागों को दिया निर्देश- बाढ़ का पानी उतरते ही टूटी सड़कों का तत्काल शुरू कराएं निर्माण

बेटी के बयान के बाद हुईं तेलंगाना की मंत्री बर्खास्त

200 करोड़ की जमीन उगाही का आरोप

विवाद

तमसा संकेत, एजेंसी

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को राज्य मंत्री कोंडा सुरेखा को मंत्रिपरिषद से हटा दिया। यह फैसला उनकी बेटी के मुख्यमंत्री और अन्य कांग्रेस नेताओं के खिलाफ दिए गए बयानों को लेकर बढ़े विवाद के बीच लिया।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सुरेखा की बेटी सुष्मिता पटेल ने सीएम समेत कई कांग्रेसी नेताओं पर 200 करोड़ की जमीन उगाही का आरोप लगाया था। आधिकारिक बयान के मुताबिक, सुरेखा को हटाने की सिफारिश गुरुवार को ही तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल को भेज दी गई है। उनके पास वन, पर्यावरण और बंदोबस्ती विभाग थे। सुरेखा का कहना है कि मेरी बेटी के बयान के लिए मुझे जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। कार्रवाई से पहले मुझे सफाई देने का मौका नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि कारण बताओ नोटिस का उन्होंने जवाब दिया था।

>> (शेष पेज 06 पर)

- सुरेखा ने कहा- सफाई देने का मौका नहीं दिया

अखिलेश यादव से मिले सीजेपी प्रवक्ता आशुतोष

लखनऊ के बंद कमरे में डेढ़ घंटे बातचीत

मुलाकात

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के राष्ट्रीय प्रवक्ता आशुतोष रांका ने गुरुवार को लखनऊ में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात की। शाम 4 बजे सपा मुख्यालय के नजदीक स्थित जनेश्वर मिश्र ट्रस्ट के कार्यालय में दोनों करीब डेढ़ घंटे बंद कमरे में बातचीत करते रहे।

मुलाकात के बाद आशुतोष रांका ट्रस्ट से बाहर निकले और मीडिया से बिना बात किए रवाना हो गए। सपा ने भी इस मुलाकात की वजहों का खुलासा नहीं किया है।

>> (शेष पेज 06 पर)

- सपा प्रमुख अखिलेश यादव से लगभग डेढ़ घंटे की हुई बैठक
- जेन जी और जेन अल्फा को लेकर बातचीत
- सपा का पांच को उत्तर प्रदेश में होना है प्रदर्शन

बाढ़ के स्थायी समाधान के लिए किसानों का मांगा साथ

सीएम ने कहा कि प्रशासन ड्रेजिंग का कार्य शुरू करने की तैयारी करें। बाढ़ के स्थायी समाधान के लिए किसानों का सहयोग मांगते हुए सीएम ने कहा कि इसमें यदि आपकी जमीन आएगी तो उचित मुआवजा मिलेगा। हम फर्रुखाबाद को बाढ़ से मुक्त कराने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएंगे। उन्होंने बाढ़ से फसल को हुए नुकसान का सर्वे करने का निर्देश दिया और कहा कि यह रिपोर्ट आते ही किसान के खाते में डीबीटी के माध्यम से सहायता धनराशि भेज दी जाएगी। >> (शेष पेज 06 पर)

बाढ़ की समस्या का कराएंगे स्थायी समाधान

फर्रुखाबाद। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाढ़ का स्थायी समाधान कराने के लिए आश्वस्त करते हुए कहा कि मां गंगा के उफान से पानी का फैलाव हो रहा है। इससे फसल का काफी नुकसान हुआ। सरकार ने 9 वर्ष में सैकड़ों करोड़ की परियोजनाएं स्वीकृत की हैं। जनप्रतिनिधियों के मुताबिक बाढ़ की समस्या का समाधान करने के लिए गंगा नदी की ड्रेजिंग कर उसे चैनलाइज करना होगा। सिल्ट को बाहर तटबंध के रूप में इस्तेमाल किया जा सकेगा। यह परियोजना यहां की आवश्यकता है।

>> (शेष पेज 06 पर)

फास्ट न्यूज

दिल्ली जल बोर्ड घोटाला केस में सत्येंद्र जैन को जमानत

नई दिल्ली। दिल्ली जल बोर्ड से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में AAP नेता और पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन को बड़ी राहत मिली है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने गुरुवार को उन्हें जमानत दे दी। यह मामला उस वक्त का है, जब वे केजरीवाल सरकार में जल मंत्री थे।

खतरा सतर्क

नेपाल से 55 केएम दूर तिब्बत में 5 तीव्रता का भूकंप

काठमांडू । नेपाल सीमा से करीब 55 किलोमीटर दूर तिब्बत में गुरुवार को 5 तीव्रता का भूकंप आया। भारत के नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के मुताबिक, भूकंप का केंद्र उत्तराखंड के जोशीमठ से करीब 128 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में था और इसकी गहराई जमीन से 10 किलोमीटर नीचे थी। भूकंप जमीन की सतह से काफी कम गहराई पर आया। ऐसे भूकंप ज्यादा नुकसान पहुंचा सकते हैं, क्योंकि इनकी भूकंपीय ऊर्जा सतह तक जल्दी पहुंचती है और रास्ते में कम कमजोर होती है। हालांकि, फिलहाल भूकंप से किसी तरह के नुकसान या लोगों के घायल होने की खबर नहीं है।

अवकाश की सूचना

04 सितंबर 2026, शुक्रवार को कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर 'तमसा संकेत' के सुधी पाठकों, विज्ञापनदाताओं, समाचार पत्र वितरक बंधुओं एवं समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

04 सितंबर 2026, शुक्रवार को कृष्ण जन्माष्टमी पर अवकाश के कारण 'तमसा संकेत' कार्यालय बंद रहेगा। अतः अगला अंक 06 सितंबर 2026, रविवार को प्रकाशित होगा।

— संपादक

'जोरावर टैंक से बढ़ेगा भारत-बेल्जियम का रिश्ता'

डील हुई पक्की, एमओयू साइन करने के बाद बोले पीएम मोदी

समझौते

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर की मौजूदगी में गुरुवार को नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में कई महत्वपूर्ण समझौते हुए। भारत और बेल्जियम गुरुवार को व्यापार, रक्षा, अहम खनिजों, स्वच्छ ऊर्जा और टेक्नोलॉजी के क्षेत्रों में अपना सहयोग काफी बढ़ाने पर सहमत हुए। मीडिया के सामने दिए बयान में मोदी ने बताया कि पिछली तिमाही में भारत की विकास दर 7.8 प्रतिशत रही और कहा कि देश की आर्थिक तरक्की दुनिया के लिए भरोसे और नए मौकों का ज़रिया है। वहीं, बेल्जियम के प्रधानमंत्री ने भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते को एक बड़ी उपलब्धि बताया और कहा कि नई दिल्ली और ब्रसेल्स ऐसे रिश्ते बना रहे हैं जो पहले से कहीं ज़्यादा व्यापक और रणनीतिक हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

आतंकवाद को जड़ से खत्म करेंगे-पीएम

भारत-बेल्जियम के बीच आज कई समझौते हुए। समझौते के बाद दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने साझा प्रेस कांफ्रेंस की। प्रेस कांफ्रेंस में पीएम मोदी ने कहा, रक्षा और सुरक्षा सहयोग हमारे संबंधों का एक प्रमुख स्तंभ है और आतंकवाद के हर रूप को जड़ से समाप्त करना हमारी साझा प्रतिबद्धता है।

13 जिलों में बाढ़, काशी में 407 परिवारों ने घर छोड़ा, हिमाचल में 175 सड़कें बंद

बिहार में गंगा खतरे के निशान से 2 फीट ऊपर

अलर्ट

तमसा संकेत, एजेसी

नई दिल्ली । बिहार के कई जिलों में बीते दो दिनों से रुक-रुककर बारिश हो रही है। पटना में गंगा खतरे के निशान से करीब 2 फीट ऊपर बह रही है। प्रदेश के 13 जिले बाढ़ की चपेट में हैं, जबकि 8 नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। उत्तर प्रदेश में लगातार बारिश से नदियां उफान पर हैं। काशी में वरुणा नदी के किनारे रहने वाले 407 परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है। अब तक 2,910 लोग विस्थापित हो चुके हैं। राहत और बचाव कार्य के लिए प्रशासन ने 36 नावें लगाई हैं। बाढ़ के हालात को लेकर पीएम मोदी ने वाराणसी के डीएम और मेयर से बात की। हिमाचल प्रदेश के कई हिस्सों में बुधवार रात तेज बारिश के बाद लैंडस्लाइड की वजह से 175 से ज्यादा सड़कें बंद हो गईं।

>> (शेष पेज 06 पर)

गोपालगंज जिले में मानसून एक बार फिर पूरी तरह सक्रिय हो गया है। गुरुवार को शहर समेत जिले के लगभग सभी प्रखंडों में तेज हवाओं और गरज के साथ जोरदार बारिश हुई। कहीं लगभग डेढ़ घंटे तक लगातार तेज बारिश हुई, तो कई इलाकों में रुक-रुक कर पूरे दिन बारिश का सिलसिला जारी रहा।

ओडिशा के बालासोर में 214 गांव डूबे

ओडिशा जिले के भोगराई, बालीपाल, बस्ता, रेमुना और जलेश्वर ब्लॉक के 214 गांवों में बाढ़ का पानी भरने के बाद खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। हालांकि, नदी का जलस्तर अब घट रहा है। दोपहर तक राजघाट में सुवर्णरेखा का जलस्तर 10.84 मीटर था, जबकि खतरे का निशान 10.36 मीटर है। इसमें अभी गिरावट का रुख है, जो नदी की स्थिति में धीरे-धीरे सुधार का संकेत है।

निर्देश : अंबेडकरनगर की विकास रैंकिंग ने खींचा ध्यान, प्रदेश में चौथे पायदान पर जिला

ओपी राजभर ने परखी योजनाओं की रफ्तार

- सोलर रूफटॉप में लक्ष्य से आगे निकला जिला
- सड़कों में 11 के लक्ष्य के मुकाबले 17 काम पूरे
- एचपीवी वैक्सीनेशन में प्रदेश में दूसरा स्थान

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। विकास कार्यों और कानून व्यवस्था की समीक्षा में अंबेडकरनगर की स्थिति बेहतर सामने आई। राजस्व एवं विकास कार्यों की संयुक्त रैंकिंग में जिला प्रदेश में चौथे स्थान पर है। बृहस्पतिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में प्रभारी मंत्री एवं कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने विभागवार योजनाओं की प्रगति परखी। बैठक में आंकड़ों के आधार पर योजनाओं की स्थिति की समीक्षा की गई। प्रभारी मंत्री ने अधिकारियों को साफ निर्देश दिए कि पात्र लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुंचना चाहिए। अधूरे कार्यों को तय समय में पूरा कराने और जनसमस्याओं का त्वरित निस्तारण करने पर भी जोर दिया गया। यूपीनेडा की समीक्षा में सोलर रूफटॉप इंस्टॉलेशन की प्रगति सामने आई। चालू वित्तीय वर्ष में मासिक लक्ष्य 546 था। >> (शेष पेज 06 पर)

कृषि विभाग ने कृषि रक्षा एवं रसायन डीबीटी में शत-प्रतिशत निस्तारण की जानकारी दी। बीज डीबीटी में भी 100 प्रतिशत प्रगति दर्ज की गई है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के आवेदनों का निस्तारण निर्धारित समय सीमा में किया जा रहा है।

कृषि में शत प्रतिशत प्रगति का दावा

प्रधानमंत्री आवास योजना और मुख्यमंत्री आवास योजना की समीक्षा में प्रभारी मंत्री ने स्पष्ट किया कि कोई पात्र लाभार्थी योजना के लाभ से वंचित न रहे। आवास निर्माण की प्रगति पर लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए।

चौथे स्थान पर जिला, अफसरों को मिला बधाई संदेश

जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने बैठक में बताया कि राजस्व और विकास कार्यों की संयुक्त रैंकिंग में अंबेडकरनगर प्रदेश में चौथे स्थान पर है। जिले की स्थिति पर प्रभारी मंत्री ने जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक और संबंधित अधिकारियों को बधाई दी।

उन्होंने अधिकारियों से बेहतर प्रदर्शन को जारी रखने और जिले को अग्रणी स्थान पर बनाए रखने के लिए लगातार काम करने को कहा।

सभी राज्य बाइक टैक्सी को मंजूरी दें : गडकरी

ट्रैफिक नियम तोड़ने पर ड्राइविंग लाइसेंस सस्पेंड-कैंसिल होगा

अपील

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने सभी राज्य सरकारों से बाइक टैक्सी को मंजूरी देने की अपील की है। उन्होंने कहा कि निजी बाइक और स्कूटर से यात्रियों को ले जाने की सुविधा से खासकर ग्रामीण इलाकों में रोजगार के बड़े अवसर मिलेंगे। इससे करीब 8 करोड़ लोगों को रोजगार मिल सकता है। गडकरी ने बताया कि केंद्र ने बाइक टैक्सी की अनुमति दे दी है, लेकिन परिवहन राज्य का विषय होने के कारण कुछ राज्यों में अभी इसकी मंजूरी नहीं है। उन्होंने राज्यों से इसे मंजूरी देने की अपील की, ताकि लोगों को कमाई का नया जरिया मिल सके। गडकरी ने कहा कि सरकार बार-बार ट्रैफिक नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों पर सख्ती करेगी।

>> (शेष पेज 06 पर)

- भारी वाहन चालकों की ट्रेनिंग जरूरी
- 10 लाख ड्राइवरों की स्वास्थ्य जांच

जल्द एग्जाम की डेट आएगी, ढाई घंटे में 150 सवाल हल करने होंगे, निगेटिव मार्किंग नहीं

यूपी के 62 हजार शिक्षकों के लिए स्पेशल टीईटी

आदेश

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। यूपी सरकार ने बेसिक शिक्षा परिषद के सेवारत करीब 62 हजार शिक्षकों के लिए स्पेशल अध्यापक पात्रता परीक्षा (TET) कराने का आदेश जारी कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद प्रदेश के 1.86 लाख शिक्षकों की नौकरी पर संकट के बादल छा गए थे।

अब यूपीटीईटी नहीं पास करने वाले शिक्षक भी इस स्पेशल परीक्षा को पास करके अपनी नौकरी बचा सकेंगे। उत्तर प्रदेश बीटीसी शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष अनिल यादव ने कहा कि इससे 2011 से पहले कार्यरत शिक्षकों को बड़ी राहत मिलेगी। हालांकि, अभी परीक्षा की तारीख का ऐलान नहीं किया गया है। लेकिन, जल्द ही परीक्षा होने की बात कही जा रही है।

विशेष TET 150 अंकों की होगी, जिसमें बहुविकल्पीय (ऑब्जेक्टिव) प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षा ढाई घंटे की होगी। हर सवाल एक अंक का होगा और परीक्षा में निगेटिव मार्किंग भी नहीं होगी। जल्द परीक्षा की तारीख घोषित की जाएगी।

सामान्य वर्ग के शिक्षकों को परीक्षा में कम से कम 90 अंक यानी 60% अंक हासिल करने होंगे। वहीं, एससी, एसटी, ओबीसी, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आश्रित, पूर्व सैनिक और दिव्यांग अभ्यर्थियों को 82 अंक यानी 55% अंक लाने पर पास माना जाएगा। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के सामान्य अभ्यर्थियों के लिए भी पास होने के लिए 82 अंक जरूरी होंगे।

देश में पहली बार 13 नवंबर 2011 को TET आयोजित हुई थी। उस समय सभी पात्र अभ्यर्थियों को परीक्षा में शामिल होने का मौका मिला था। वर्ष 2010 या उससे पहले नियुक्त शिक्षकों के लिए TET परीक्षा अनिवार्य नहीं थी, इसलिए उन्होंने यह परीक्षा नहीं दी थी।

86 हजार शिक्षकों ने टीईटी पास किया

बेसिक शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा ने विशेष TET के आयोजन की कार्ययोजना जारी कर दी है। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग को जल्द विज्ञापन जारी कर परीक्षा कराने के निर्देश दिए गए हैं। सामान्य TET उन लोगों के लिए होती है, जो शिक्षक बनने की पात्रता हासिल करना चाहते हैं। जबकि स्पेशल TET उन शिक्षकों के लिए होगी, जो पहले से सरकारी स्कूलों में पढ़ा रहे हैं। लेकिन, अभी तक TET पास नहीं किया है। स्पेशल TET परीक्षा के लिए करीब 62 हजार कार्यरत शिक्षक ही आवेदन कर पाएंगे। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद प्रदेश में करीब 1 लाख 42 हजार 818 शिक्षक इस परीक्षा से प्रभावित हुए थे। इनमें से करीब 86 हजार शिक्षक हाल में हुई TET परीक्षा पास कर चुके हैं।

2028 तक टीईटी पास करना जरूरी

सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल 1 सितंबर को दिए आदेश में सभी कार्यरत शिक्षकों के लिए 31 अगस्त 2028 तक TET पास करना जरूरी किया था। इसके बाद शिक्षक संगठनों ने विशेष राहत की मांग को लेकर आंदोलन किया था। शासन ने कार्यरत शिक्षकों के लिए अलग से विशेष TET कराने की घोषणा की थी। अब इसकी कार्ययोजना को मंजूरी दे दी गई है।

गोरखपुर में रुपए के विवाद में फायरिंग

हिस्ट्रीशीटर घायल हाथ-पैर में लगी गोली

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। गोरखपुर के चौरी चौरा में बुधवार रात रुपए के लेनदेन को लेकर हुए विवाद में 40 साल की दुर्गेश चौधरी को गोली मार दी गई। गोली उसके पैर और हाथ में लगी, जिससे वह मौके पर ही गिर गया। घटना खैराबाद के डूडी गांव की है। घायल को पुलिस ने अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज चल रहा है। पुलिस के मुताबिक, दुर्गेश चौरी चौरा थाने का हिस्ट्रीशीटर है। पुलिस के अनुसार, खोराबार क्षेत्र के डांगीपार निवासी अतुल ने डूडी निवासी रतन लाल चौधरी से रुपये लिए थे। रुपये वापस नहीं करने को लेकर विवाद चल रहा था। बुधवार रात कुछ युवक अतुल को लेकर डूडी गांव पहुंचे थे। इसी दौरान रुपये को लेकर कहासुनी होने लगी। अतुल का सहयोगी महदेवा जंगल निवासी दुर्गेश भी वहां पहुंच गया। विवाद के दौरान किसी ने उस पर गोली चला दी। पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है और संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। बताया जा रहा है कि अतुल ने रतन लाल चौधरी से रुपये लिए थे। तय समय पर रुपये वापस नहीं करने के कारण दोनों पक्षों में विवाद था। बुधवार रात कुछ युवक अतुल को लेकर डूडी गांव पहुंचे। वहां बातचीत के दौरान मामला बढ़ गया और दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हो गई।

फास्ट न्यूज

गोरखपुर- पुलिसकर्मियों ने पीड़ित परिवार के खाते में 12 लाख भेजे

गोरखपुर । गोरखपुर के कोतवाली क्षेत्र में 10 साल की बच्ची से रेप और हत्या के मामले में पीड़ित परिवार को जिले के पुलिसकर्मियों की ओर से जुटाई गई आर्थिक सहायता मिल गई है। पुलिसकर्मियों ने अपने एक दिन का वेतन परिवार की मदद के लिए देने का फैसला किया था। इसी रकम से बच्ची की तीनों बहनों के नाम 10-10 लाख रुपए की FD कराई गई है।

बाराबंकी में कच्ची दीवार के नीचे दबकर बुजुर्ग की मौत

बाराबंकी। बाराबंकी में असंदरा कोतवाली क्षेत्र में गुरुवार रात कच्ची दीवार गिरने से उसके नीचे दबकर 64 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हो गई। हादसा धनौली खास गांव के पूरे पाठक (पठखन पुरवा) में हुआ। सालिकराम कश्यप खाना खाने के बाद घर के पास बने टीन शेड के नीचे सो रहे थे। इसी दौरान पास की कच्ची दीवार अचानक भरभराकर उनके ऊपर गिर गई। दीवार गिरने की तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने मलबा हटाकर बुजुर्ग को बाहर निकालने की कोशिश की, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।

कोटेदारों का लाभांश 90 से बढ़कर 125 रुपये प्रति कुंतल

बाराबंकी । बाराबंकी में प्रदेश सरकार ने उचित दर विक्रेताओं (कोटेदारों) के लाभांश में 35 रुपये प्रति कुंतल की बढ़ोतरी की है। अब कोटेदारों को 90 रुपये की जगह 125 रुपये प्रति कुंतल लाभांश मिलेगा। सरकार के इस फैसले से जिले के 1380 कोटेदारों में खुशी है। कोटेदारों के एक प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी के जरिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को आभार ज्ञापन सौंपा।

काशी में मणिकर्णिका घाट डूबा छत पर अंतिम संस्कार

गंगा का पानी आबादी में घुसा, गलियों में नावें चल रहीं

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी में गंगा का जलस्तर चेतावनी बिंदु के पार चला गया है, जिस कारण 84 घाट जलमग्न हैं। अब वरुण क्षेत्र में रहने वाले लगभग 10 हजार परिवारों के माथे पर चिंता की लकीरें देखने को मिल रही हैं, क्योंकि उन्हें अपना घर छोड़कर कहीं सुरक्षित स्थान पर जाना होगा।

वहीं अब अस्सी घाट के करीब रहने वाले दुकानदार अपनी दुकानों के दरवाजे पर दीवार खड़ी कर रहे हैं, जिससे बरसात का पानी उनकी दुकान में न जाए और उनके सामान को नुकसान हो।

गंगा के साथ वरुणा नदी में भी बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो गई है। अब वरुणा किनारे रहने वाले परिवारों में खलबली मचने लगी है। खासकर सरैया, नक्खी घाट, शैलपुत्री, शलारपुर, वरुणा क्षेत्र के डेंजर जोन में आने वाले लगभग 30 हजार घरों के करीब बाढ़ का पानी आ गया है। लोगों ने पलायन की तैयारी शुरू दी है। सावित्री देवी ने कहा- घर में पानी घुस गया है, बहुत दिक्कत हो रही है। हमारे नक्खी घाट इलाके में लगभग 500 लोग है। उन्होंने कहा कि हम लोग कुएं के पास प्लास्टिक डाल कर रहते हैं। जिससे हमारे घर में सामान चोरी न हो सके। प्रशासन की तरफ से बेहतर प्रबंध नहीं हुए हैं। उन्होंने कहा कि नाव पर बैठकर हम लोग अपने घर का सामान लेने के लिए जाते हैं।

पट्टा और आर्थिक मदद मिली, फिर भी बांध के अंदर लौट रहे परिवार, छह करोड़ का शरणालय भी नहीं भर पा रहा

करोड़ों खर्च के बाद भी बाढ़ के मुहाने पर जिंदगी आवास

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। सरयू की बाढ़ और कटान से हर साल जूझने वाले परिवारों को सुरक्षित जीवन देने के लिए सरकार की ओर से वर्षों से करोड़ों रुपये की योजनाएं संचालित की जा रही हैं। बाढ़ प्रभावित ग्राम पंचायत सरसंडा, बतनेरा, अकौना और पर्वतपुर में सैकड़ों परिवारों को प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री आवास दिए गए। कटान में घर गंवाने वाले परिवारों को मकान बनाने के लिए आर्थिक सहायता के साथ आवासीय पट्टे भी दिए गए। इसके बावजूद बाढ़ का पानी बढ़ते ही कई परिवार सुरक्षित आवास छोड़कर दोबारा तटबंध के अंदर अपने पुराने ठिकानों पर लौट जाते हैं। ऐसे में सरकारी योजनाओं की उपयोगिता और उनके धरातलीय असर को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। तहसील रामनगर के सूरतगंज ब्लॉक क्षेत्र की इन चार बाढ़ प्रभावित ग्राम पंचायतों में वर्ष 2022-23 से अब तक 158 परिवारों को प्रधानमंत्री आवास और 499 परिवारों को मुख्यमंत्री आवास दिए जा चुके हैं। वहीं आवास प्लस योजना के सर्वे में शामिल 736 पात्र लोगों को प्रधानमंत्री आवास देने की प्रक्रिया सितंबर के अंत तक प्रस्तावित है। इसके अलावा इसी अवधि में 1193 लोगों को व्यक्तिगत शौचालय का लाभ भी दिया गया है।

अब सिर्फ राहत नहीं, स्थायी पुनर्वास की चुनौती

प्रशासन के सामने अब बाढ़ के समय राहत सामग्री पहुंचाने के साथ-साथ उन परिवारों को सुरक्षित स्थान पर स्थायी रूप से बसाने की चुनौती भी है, जिन्हें सरकारी आवास मिल चुका है। तभी करोड़ों रुपये खर्च कर तैयार की गई आवासीय और राहत योजनाओं का वास्तविक लाभ बाढ़ प्रभावित परिवारों को स्थायी रूप से मिल सकेगा।

सरकार ने बाढ़ प्रभावित परिवारों को आवास, शौचालय, पट्टा और आर्थिक सहायता देकर सुरक्षित जीवन देने की कोशिश की है। लेकिन बार-बार बांध के अंदर लौटते परिवार यह सवाल जरूर खड़ा करते हैं कि क्या सिर्फ मकान देने से विस्थापन की समस्या का स्थायी समाधान हो सकता है।

लगभग छह करोड़ का शरणालय, फिर भी तटबंध पर रात

बतनेरा ग्राम पंचायत में करीब लगभग छह करोड़ रुपये की लागत से बाढ़ शरणालय केंद्र बनाया गया है। केंद्र में बाढ़ पीड़ितों के ठहरने के लिए बड़े हाल, चार बड़े शौचालय, दो किचन और पेयजल के लिए टोंटियों समेत कई सुविधाएं उपलब्ध हैं। बाढ़ के दौरान ब्लॉक और तहसील प्रशासन की ओर से प्रभावित परिवारों से शरणालय में जाने की अपील भी की जाती है। इसके बावजूद कई परिवार शरणालय में जाने के बजाय तटबंध पर तिरपाल लगाकर रात गुजार रहे हैं। ग्रामीणों के लिए पुराने गांव, रोजी-रोटी, पशुओं और खेती से जुड़ाव जैसे कारण सुरक्षित स्थान पर स्थायी रूप से बसने में बड़ी बाधा बन रहे हैं।

बांध पर डेरा डालने को मजबूर ग्रामीण जंगली जानवरों का भी बढ़ा खतरा

कटान के साथ फिर गांवों की ओर बढ़ा बाढ़ का पानी

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। ब्लॉक क्षेत्र के हेतमापुर और केदारीपुर में घाघरा नदी का कटान लगातार जारी है। इसी बीच एक बार फिर नदी का पानी आसपास के दर्जनों गांवों की ओर बढ़ने लगा है। अकौना, सकटापुर, क्योलीपुरवा, तेवराइनपुरवा, पर्वतपुर, सुंदरनगर, ललपुरवा, कोड़री, बाबापुरवा, मदरहा और कोयलीपुरवा समेत कई गांवों में बाढ़ का खतरा दोबारा बढ़ गया है। पानी का रुख गांवों की ओर होने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। पूर्व में आई बाढ़ के दौरान अपना घर छोड़कर बांध की शरण लेने वाले ग्रामीण अभी पूरी तरह अपने घरों को लौट भी नहीं पाए थे कि एक बार फिर बाढ़ का संकट सामने आ गया। हालात को देखते हुए कई परिवारों ने दोबारा बांध पर डेरा डालना शुरू कर दिया है। ग्रामीण त्रिपाल लगाकर खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं। दिन में उमस और रात में अंधेरे के बीच बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों के लिए परेशानी और बढ़ गई है। सुंदरनगर निवासी जनकलाल, बिट्टो और नाजिरुन समेत अन्य ग्रामीणों ने प्रशासन से बांध पर तत्काल प्रकाश व्यवस्था कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि बाढ़ प्रभावित परिवारों के लिए लंच पैकेट, राशन और अन्य जरूरी राहत सामग्री भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराई जानी चाहिए। बाढ़ के कारण रोजमर्रा की जिंदगी प्रभावित है और कई परिवारों के सामने भोजन की भी समस्या खड़ी हो रही है। ग्रामीणों का कहना है कि घाघरा नदी के कटान से पहले ही बड़ी मात्रा में उपजाऊ कृषि भूमि नदी में समा चुकी है। अब पानी का रुख दोबारा गांवों की तरफ होने से लोगों की चिंता और बढ़ गई है। ग्रामीणों को आशंका है कि यदि नदी का जलस्तर और बढ़ा तो उन्हें एक बार फिर अपने घरों और बची-खुची गृहस्थी को छोड़कर बांध पर शरण लेनी पड़ सकती है।

बकरी को निवाला बनाए जाने से बढ़ी दहशत

ग्रामीणों के मुताबिक बुधवार रात बांध के पास एक भेड़िए ने बकरी को अपना निवाला बना लिया। घटना के बाद बांध पर रह रहे लोगों में जंगली जानवरों को लेकर भय और बढ़ गया है। ग्रामीणों का कहना है कि अंधेरे में जंगली जानवरों की आवाजाही का पता लगाना मुश्किल होता है। ऐसे में पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था नहीं होने से किसी बड़े हादसे की आशंका बनी रहती है।

बांध पर दो दर्जन से अधिक लोग ले रहे शरण

सुंदरनगर गांव निवासी बरकत अली पुत्र शौकत अली ने बताया कि बांध पर करीब दो दर्जन से अधिक लोग त्रिपाल के सहारे शरण लिए हुए हैं। इनमें छोटे बच्चे और बुजुर्ग भी शामिल हैं। उनका कहना है कि बांध पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था नहीं है। रात होते ही चारों ओर अंधेरा छा जाता है। ऐसे में जंगली जीव-जंतुओं का खतरा बना रहता है और परिवारों को बच्चों की सुरक्षा की चिंता सताती रहती है।

23 जिलों में बाढ़, एसडीएम ट्रैक्टर चलाकर गांव पहुंचे

मोदी के फोन के बाद काशी डीएम फील्ड में उतरे

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी । यूपी में लगातार बारिश से 23 जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। अब तक 16 हजार से अधिक लोगों को बाढ़ से रेस्क्यू किया गया है। काशी में गंगा-वरुणा का पानी अब घरों में घुसने लगा है। सड़कों पर नाव चल रही है। अब तक 407 परिवार घर छोड़ चुके हैं। सभी 84 घाट डूबे हुए हैं। मणिकर्णिका घाट पर छत पर अंतिम संस्कार हो रहा है।

इसी बीच, काशी के सांसद पीएम मोदी ने डीएम सत्येंद्र कुमार और मेयर अशोक तिवारी से फोन पर बात की। उन्होंने शहर में बाढ़ के हालात की डिटेल में जानकारी ली। उन्होंने कहा- यह सुनिश्चित करें कि नागरिकों को कम से कम परेशानी हो। बाढ़ प्रभावित लोगों को युद्धस्तर पर राहत पहुंचाते हुए उन्हें तत्काल जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराएं। पीएम के आदेश के बाद डीएम और पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल समेत अफसर फील्ड में उतर गए। उन्होंने बाढ़ प्रभावित इलाकों का जायजा लिया।

चित्रकूट में मंदाकिनी नदी का पानी आसपास की सड़कों पर बह रहा है। 500 से अधिक दुकानों और 20-25 होटलों में पानी घुस गया है। यहां मकान ढहने से पिता और 2 बच्चों की मौत हो गई। कानपुर देहात में भी मकान ढहने से 2 बच्चों की मौत हो गई। इसके अलावा, बाराबंकी में दीवार गिरने से बुजुर्ग और लखीमपुर खीरी में गड्ढे में डूबने से बच्ची की मौत हो गई।

वारदात : प्रयागराज में हाथ-पैर तोड़कर बैग में भरी लाश, 62 केएम दूर मध्यप्रदेश की पहाड़ी पर फेंका

27 साल के फोटोग्राफर को दोस्तों ने मार डाला

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज । प्रयागराज में 27 साल के फोटोग्राफर की 3 दोस्तों ने हत्या कर दी। पहले उसको गोली मारी, जो कंधे पर लगी। फिर हाथों से गला घोंट दिया। इसके बाद हाथ-पैर तोड़कर उसे एक बैग में भर दिया। आरोपी बैग को करीब 62 किलोमीटर दूर मध्यप्रदेश के रीवा ले गए। वहां सोहागी पहाड़ी पर फेंक दिया। पुलिस ने अपार्टमेंट के CCTV फुटेज खंगाले, तो मामले का खुलासा किया। इसमें 3 युवक फोटोग्राफर आलोक गुप्ता के फ्लैट से एक बड़ा बैग लेकर निकलते दिखाई दिए। पुलिस ने शुक्रवार को तीनों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। पुलिस ने फोटोग्राफर की गर्लफ्रेंड को भी पूछताछ के लिए बुलाया है। पुलिस की मानें, तो आरोपियों ने महंगे कैमरे और अन्य गैजेट्स लूटने के लिए हत्या की थी। मामला धूमनगंज क्षेत्र का है।

पुलिस ने आलोक को ढूंढने के दौरान अंबर अपार्टमेंट के CCTV की फुटेज खंगाली। इसमें 10 अगस्त की रात 3 युवक आलोक के फ्लैट से एक बड़ा बैग लेकर बाहर निकलते दिखाई दिए।

आलोक गुप्ता, मृतक

पुलिस ने शुक्रवार को आलोक के तीनों दोस्तों को गिरफ्तार कर लिया। इन लोगों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

इसके बाद तीनों युवक सिल्वर रंग की स्विफ्ट कार में बैठकर वहां से चले गए। CCTV फुटेज सामने आने के बाद पुलिस ने तीनों युवकों की पहचान शुरू की। साथ ही आलोक के मोबाइल की कॉल डिटेल भी खंगाली। जांच के दौरान आलोक के मोबाइल की CDR में एक लड़की का नंबर सामने आया। पुलिस ने उसको पूछताछ के लिए बुलाया। उसने बताया कि वीडियो में दिखने वाले एक लड़के को मैं जानती हूं। उसका नाम शुभम तिवारी है। वह नवाबगंज का रहने वाला है। इसके बाद बुधवार (1 सितंबर) को पुलिस ने उसे पकड़ लिया। उससे आलोक के बारे में पूछा, तो उसने जानने से इनकार कर दिया।

11 को फोन बंद हुआ, 22 को रिपोर्ट दर्ज कराई

आलोक गुप्ता प्रतापगढ़ के कुंडा का रहने वाला था। पिछले कुछ साल से वह प्रयागराज के धूमनगंज स्थित अंबर अपार्टमेंट में किराए के फ्लैट में रह रहा था। वह फोटोग्राफर था। शादी समेत अन्य समारोहों में फोटोशूट का काम करता था। इसके साथ ही रील भी बनाता था।

10 अगस्त को आलोक अचानक कहीं लापता हो गया। 11 अगस्त की सुबह घरवालों ने उसके मोबाइल पर कई बार फोन किया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। मोबाइल बंद था। इसके बाद घरवाले उसके फ्लैट पर पहुंचे, तो वहां ताला लगा मिला। काफी ढूंढने के बाद भी आलोक का पता नहीं चला। इस पर घरवालों ने 22 अगस्त को धूमनगंज थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई।

असलम की मौत के मामले में फिदा मेडिकल स्टोर पर कार्रवाई

दुकान में मौजूद दवाओं की जांच-पड़ताल की गई

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र के बुढ़ानापुर गांव निवासी मोहम्मद असलम की कुछ दिन पहले इलाज के दौरान हुई मौत के मामले में गुरुवार को जिला औषधि विभाग ने कार्रवाई की। विभाग की टीम सूरतगंज के फूलपुर चौराहे स्थित फिदा मेडिकल स्टोर पर पहुंची और दुकान में मौजूद दवाओं की जांच-पड़ताल की। कार्रवाई के दौरान औषधि निरीक्षक रजिया बानो ने मेडिकल स्टोर से पैंटोप दवा का सैंपल जांच के लिए लिया। इसके बाद मेडिकल स्टोर को सील कर दिया गया। औषधि विभाग की टीम ने संबंधित दवा के नमूने को निर्धारित प्रक्रिया के तहत जांच के लिए भेज दिया है। विभाग का उद्देश्य यह पता लगाना है कि दवा गुणवत्ता और निर्धारित मानकों के अनुरूप थी या नहीं। कार्रवाई के दौरान मेडिकल स्टोर को बंद भी कराया गया। विभाग की कार्रवाई की जानकारी मिलते ही आसपास के क्षेत्र में मामले को लेकर चर्चा शुरू हो गई। बताया जाता है कि बुढ़ानापुर निवासी मोहम्मद असलम ने फिदा मेडिकल स्टोर पर इलाज कराया था। इलाज के बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई थी, जिसके बाद उनकी मौत हो गई। घटना के बाद असलम के परिवार वालों ने इलाज के दौरान गलत दवा अथवा इंजेक्शन दिए जाने का आरोप लगाया था। परिजनों के आरोपों के बाद मामले में विभागीय कार्रवाई की मांग उठ रही थी। गुरुवार को औषधि विभाग की टीम द्वारा की गई कार्रवाई के बाद अब सैंपल की जांच रिपोर्ट का इंतजार है। औषधि निरीक्षक रजिया बानो ने बताया कि मेडिकल स्टोर से पैंटोप दवा का सैंपल जांच के लिए लिया गया है। जांच पूरी होने के बाद इसकी रिपोर्ट और आगे की कार्रवाई से संबंधित पत्रावली अयोध्या मंडल के सहायक कमिश्नर ड्रग को भेजी जाएगी। उन्होंने बताया कि पूरे मामले के संबंध में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रंजन गौतम को भी पत्र भेजा जाएगा।

अंबेडकरनगर में पीडीए पर पलटवार, मुस्लिम नेतृत्व को लेकर सपा से पूछा सवाल

‘2027 नहीं, अगले जन्म की तैयारी करें’

तंज राजभर का अखिलेश पर बड़ा सियासी वार

बृजेंद्र वीर सिंह

> सपा की पिछली सरकार पर निशाना साधते हुए राजभर ने आरोप लगाया कि उस दौरान एक जाति विशेष को बढ़ावा दिया गया। उन्होंने कहा कि जनता के बीच किए गए कार्यों का परिणाम सपा को चुनावों में भुगतना पड़ा है।

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। विधानसभा चुनाव 2027 से पहले उत्तर प्रदेश की सियासत में जुबानी जंग तेज होती दिख रही है। अंबेडकरनगर पहुंचे सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के प्रमुख और कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर सीधा हमला बोला। मीडिया से बातचीत में उन्होंने अखिलेश यादव के 2027 में सरकार बनाने के दावे को खारिज किया। साथ ही सपा के PDA फॉर्मूले और मुस्लिम समाज को लेकर पार्टी की राजनीति पर सवाल उठाए। अखिलेश यादव के 2027 में सरकार बनाने के दावे पर राजभर ने तीखा तंज कसा। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव को 2027 की नहीं, बल्कि अगले जन्म की पैदाइश की तैयारी करनी चाहिए। अखिलेश यादव के PDA यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक फॉर्मूले पर राजभर ने अलग अंदाज में पलटवार किया। उन्होंने PDA को सपा की चुनावी हार से जोड़ते हुए इसकी नई व्याख्या सामने रखी। उन्होंने कहा कि सपा के पास जीत का कोई वास्तविक फॉर्मूला नहीं है। राजभर ने दावा किया कि जनता ने सपा को लगातार नकारा है और 2027 में भी पार्टी को हार का सामना करना पड़ेगा।

अंबेडकरनगर में राजभर के बयान ने 2027 की चुनावी सियासत के बीच सपा और सत्तापक्ष के बीच जारी राजनीतिक टकराव को फिर सामने ला दिया। उनके निशाने पर अखिलेश यादव का नेतृत्व, PDA की रणनीति और सपा की मुस्लिम राजनीति रही। राजभर ने अपने बयान के जरिए सपा के 2027 के सत्ता वापसी के दावे को चुनौती दी और पार्टी के चुनावी फॉर्मूले पर सवाल खड़े किए।

मुस्लिम वोट पर सपा से सीधा सवाल

ओमप्रकाश राजभर ने सपा की मुस्लिम राजनीति पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि प्रदेश की करीब 20 प्रतिशत मुस्लिम आबादी ने चार बार यादव समाज के नेता को मुख्यमंत्री बनाने में भूमिका निभाई, लेकिन सपा ने मुस्लिम समाज को केवल वोट बैंक के तौर पर इस्तेमाल किया।

राजभर ने सवाल किया कि यदि सपा मुस्लिम समाज की वास्तविक हितैषी है तो किसी मुस्लिम नेता के बेटे को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार क्यों नहीं घोषित करती। उन्होंने सपा और कांग्रेस के मुस्लिम विधायकों और नेताओं को लेकर भी आरोप लगाया कि वे इस मुद्दे पर खुलकर आवाज नहीं उठा सकते। राजभर ने दावा किया कि पार्टी के भीतर इस तरह की मांग उठाने वाले नेताओं के खिलाफ कार्रवाई हो सकती है।

दिवंगत पत्रकार भूपेंद्र वीर सिंह के निधन पर कैबिनेट मंत्री ने जताया दुख

ओमप्रकाश राजभर ने परिजनों से की मुलाकात

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री और जिले के प्रभारी मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने बृहस्पतिवार को अकबरपुर के गांधीनगर स्थित प्रेस क्लब उपाध्यक्ष बृजेंद्र वीर सिंह के आवास पहुंचकर उनके बड़े भाई दिवंगत वरिष्ठ पत्रकार डॉ. भूपेंद्र वीर सिंह को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की। राजभर ने कहा कि डॉ. भूपेंद्र वीर सिंह का निधन पत्रकारिता जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। उनकी कमी हमेशा खलेगी। प्रभारी मंत्री ने दिवंगत पत्रकार के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इसके बाद उन्होंने बृजेंद्र वीर सिंह और अन्य परिजनों से मुलाकात की। बातचीत के दौरान डॉ. भूपेंद्र वीर सिंह से जुड़ी स्मृतियों को याद किया गया। राजभर ने कहा कि भूपेंद्र वीर सिंह सरल स्वभाव के वरिष्ठ पत्रकार थे और पत्रकारिता के क्षेत्र में उनकी अपनी पहचान थी। इस दौरान परिवार के सदस्यों ने प्रभारी मंत्री को डॉ. भूपेंद्र वीर सिंह के निधन और उनकी पत्रकारिता से जुड़े प्रसंगों की जानकारी दी। राजभर ने परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया और दिवंगत पत्रकार को श्रद्धांजलि अर्पित की। डॉ. भूपेंद्र वीर सिंह का बीमारी के चलते 29 अगस्त को निधन हो गया था। वह वरिष्ठ पत्रकार के रूप में लंबे समय से पत्रकारिता से जुड़े रहे।

परिजनों से मिलकर जताई संवेदना

ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि डॉ. भूपेंद्र वीर सिंह के निधन की खबर दुखद थी। उन्होंने परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि इस कठिन समय में उनकी संवेदनाएं परिवार के साथ हैं। उन्होंने दिवंगत पत्रकार को याद करते हुए उनके निधन को जिले के पत्रकारिता क्षेत्र के लिए बड़ी क्षति बताया।

फास्ट न्यूज

शिवबाबा के पास बिकने से पहले पकड़े गए चोरी के सोलर पैनल

अंबेडकरनगर। सोलर पैनल चोरी के मामले में कोतवाली अकबरपुर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर चोरी के सात सोलर पैनल बरामद किए हैं। इनके अलावा घटना में इस्तेमाल पिकअप और पैनल खोलने वाला रिंच भी मिला है।

स्वदेशी व्यापारिक कुंभ के लिए निकला व्यापारियों का काफिला

अंबेडकरनगर। स्वदेशी व्यापारिक कुंभ में भागीदारी के लिए बृहस्पतिवार को पटेलनगर तिराहे से व्यापारियों का बड़ा जत्था रवाना हुआ। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष शिव कुमार गुप्ता के नेतृत्व में निकले काफिले में बड़ी संख्या में स्थानीय व्यापारी शामिल रहे। रवानगी के दौरान व्यापारियों ने स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने और स्थानीय कारोबार को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। संगठन पदाधिकारियों ने कहा कि व्यापारिक आयोजन के माध्यम से देशी उत्पादों के लिए बाजार तैयार करने और व्यापारियों की समस्याओं को संबंधित स्तर तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।

कृष्ण की बाल लीलाओं ने जीता दिल

बसखारी- अंबेडकरनगर। मकोइया स्थित वेस्ट्रीज हिल्टन स्कूल में बृहस्पतिवार को जन्माष्टमी का पर्व सांस्कृतिक रंग में मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने भगवान कृष्ण की बाल लीलाओं और जीवन से जुड़े प्रसंगों को मंच पर प्रस्तुत किया। बच्चों की प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों का ध्यान खींचा और तालियों की गूंज सुनाई दी। जन्माष्टमी कार्यक्रम में बसखारी के प्रभारी निरीक्षक भूपेंद्र कुमार सिंह मुख्य अतिथि रहे।

भूपेंद्र सिंह गर्गवंशी के निधन से प्रेस क्लब में शोक, केडी मिश्रा को भी दी श्रद्धांजलि

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। प्रेस क्लब भवन में बृहस्पतिवार को वरिष्ठ पत्रकार भूपेंद्र सिंह गर्गवंशी और केडी मिश्रा के आकस्मिक निधन पर शोक सभा आयोजित की गई। दोपहर एक बजे हुई सभा में प्रेस क्लब के पदाधिकारियों और सदस्यों ने दोनों पत्रकारों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान दिवंगतों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना भी की गई।

> शोक सभा में अध्यक्ष शैलेंद्र तिवारी ने कहा- भूपेंद्र सिंह का निधन पत्रकारिता जगत के लिए अपूरणीय क्षति

भूपेंद्र सिंह गर्गवंशी प्रेस क्लब के उपाध्यक्ष बृजेंद्र वीर सिंह के बड़े भाई थे। उनके निधन पर प्रेस क्लब अध्यक्ष शैलेंद्र तिवारी ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि भूपेंद्र सिंह गर्गवंशी के निधन से पत्रकारिता जगत ने एक वरिष्ठ साथी खो दिया है। उनका आकस्मिक निधन बेहद दुखद है। उनके जाने से पत्रकारिता क्षेत्र में जो कमी आई है, उसकी भरपाई आसान नहीं होगी। उन्होंने कहा कि भूपेंद्र सिंह का पत्रकारिता से जुड़ाव रहा और उनके निधन से प्रेस क्लब परिवार में भी शोक है। शैलेंद्र तिवारी ने दिवंगत पत्रकार की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। शोक सभा में वरिष्ठ पत्रकार केडी मिश्रा के आकस्मिक निधन पर भी प्रेस क्लब पदाधिकारियों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। शोक सभा में प्रेस क्लब अध्यक्ष शैलेंद्र तिवारी, महासचिव अहमद मेंहदी, उपाध्यक्ष ज्ञान प्रकाश पाठक, कार्यकारिणी सदस्य सुधीर कुमार श्रीवास्तव समेत अन्य पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे।

मेडिकल कॉलेज के ऑडिटोरियम में प्रशिक्षण सेमिनार

वैज्ञानिक जांच के गुर सीखेंगे पुलिसकर्मी

> साक्ष्य सुरक्षित रखने से एफएसएल भेजने तक की प्रक्रिया समझाई

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। सदरपुर स्थित महामाया राजकीय एलोपैथिक मेडिकल कॉलेज के ऑडिटोरियम में बुधवार को पोस्टमार्टम, मेडिको-लीगल मामलों और घटनास्थल से वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाने को लेकर प्रशिक्षण सेमिनार आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया।

सेमिनार में विशेषज्ञ चिकित्सकों ने पुलिसकर्मियों और विवेचकों को मेडिकल एवं वैज्ञानिक साक्ष्यों से जुड़ी प्रक्रियाओं की जानकारी दी। घटनास्थल पर साक्ष्य के संरक्षण से लेकर उन्हें फोरेंसिक साइंस लैब भेजने तक की प्रक्रिया समझाई गई।

पुलिसकर्मियों को घटनास्थल से वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाने और उनके संरक्षण की जानकारी दी गई। इसके बाद साक्ष्यों को फोरेंसिक साइंस लैब भेजने की प्रक्रिया भी समझाई गई।

7 S's of Crime Scene Investigation के तहत घटनास्थल को सुरक्षित करने, उसका निरीक्षण करने, स्केच तैयार करने और साक्ष्य संकलित करने के बारे में प्रशिक्षण दिया गया।

पोस्टमार्टम और पंचायतनामा की बारीकियां बताईं

विशेषज्ञ चिकित्सकों ने पोस्टमार्टम की प्रक्रिया के साथ पंचायतनामा से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं पर जानकारी दी। विसरा, ब्लड, यूरिन और डीएनए नमूनों को सुरक्षित रखने की प्रक्रिया भी समझाई गई।

प्रशिक्षण में इस बात पर जोर दिया गया कि नमूनों को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार सुरक्षित रखा जाए, ताकि उनकी जांच में किसी तरह की समस्या न हो।

खाद का स्टॉक मजबूत, यूरिया-डीएपी की उपलब्धता लक्ष्य से काफी आगे

सितंबर तक यूरिया 51,098 मीट्रिक टन पहुंचा

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिले में उर्वरक उपलब्धता को लेकर कृषि विभाग ने किसानों के लिए स्थिति स्पष्ट की है। सितंबर तक यूरिया और प्रमुख फास्फेटिक उर्वरकों की उपलब्धता दर्ज लक्ष्य के मुकाबले अधिक रही है। वितरण के बाद भी सहकारिता और निजी क्षेत्र में पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध है।

जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि किसानों को उर्वरक प्राप्त करने के लिए फार्मर रजिस्ट्री कराना अनिवार्य है। जिन किसानों की फार्मर रजिस्ट्री अभी नहीं हुई है, वे तहसील जाकर खतौनी में अंश निर्धारण कराने के बाद रजिस्ट्री करा सकते हैं। सितंबर तक यूरिया का क्रमिक लक्ष्य 49,297 मीट्रिक टन तय किया गया था। इसके सापेक्ष 51,098 मीट्रिक टन की उपलब्धता हुई है। डीएपी का लक्ष्य 6,028 मीट्रिक टन था। इसके मुकाबले 10,144 मीट्रिक टन उपलब्ध हुआ। एनपीके का लक्ष्य 1,385 मीट्रिक टन था, जबकि उपलब्धता 4,496 मीट्रिक टन रही। एसएसपी का लक्ष्य 14,298 मीट्रिक टन था। इसके सापेक्ष 25,953 मीट्रिक टन उपलब्धता दर्ज की गई। एमओपी का लक्ष्य 616 मीट्रिक टन था, जबकि उपलब्धता 218 मीट्रिक टन रही। कृषि विभाग ने बताया कि जिले में यूरिया और फास्फेटिक उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता है।

किसानों के लिए उर्वरक प्राप्त करने में फार्मर रजिस्ट्री अनिवार्य है। जिन किसानों की रजिस्ट्री नहीं हुई है, उन्हें संबंधित तहसील में जाकर अपनी खतौनी का अंश निर्धारण कराने को कहा गया है।

25 अक्टूबर को लखनऊ में होगा सत्याग्रह, लंबित मांगों पर एक माह में सकारात्मक कार्रवाई की मांग

जिला न्यायालय कर्मचारियों ने आंदोलन का किया ऐलान

> 13 सितंबर को विधायक को सौंपेंगे मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। दीवानी न्यायालय कर्मचारी संघ उत्तर प्रदेश के आह्वान पर बुधवार, 2 सितंबर को जिला शाखा अम्बेडकरनगर की आमसभा आयोजित की गई। सभा की अध्यक्षता संघ के प्रांतीय उपाध्यक्ष अनिल कुमार श्रीवास्तव ने की। इस दौरान न्यायालय कर्मचारियों की लंबे समय से लंबित मांगों पर शासन स्तर से शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई किए जाने की मांग उठाई गई। कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि निर्धारित समय में मांगों का समाधान नहीं हुआ तो प्रदेशभर के जिला न्यायालय कर्मचारी लखनऊ पहुंचकर सत्याग्रह करेंगे।

आमसभा में मुख्यमंत्री से अनुरोध किया गया कि जनपद न्यायालय कर्मचारियों से जुड़े शासन स्तर पर लंबित मामलों में एक माह के भीतर सकारात्मक कार्रवाई के आदेश जारी किए जाएं। संघ पदाधिकारियों का कहना है कि कर्मचारियों से संबंधित कई महत्वपूर्ण मुद्दे वर्ष 2021 और 2022 से लंबित हैं। संघ के अध्यक्ष जगदीश वर्मा ने बताया कि प्रमुख मांगों में जिला न्यायालय सेवा नियमावली में संशोधन का प्रख्यापन, न्यायालय के आदेश के अनुपालन में संविदा कर्मचारियों के वेतन में प्रतिवर्ष 10 प्रतिशत वृद्धि और उनका नियमितीकरण शामिल है। इसके अलावा जनपद न्यायालयों में समाप्त हो चुके वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी के पद का पुनर्सृजन, ग्रेड वेतन 4600 वाले प्रशासनिक अधिकारी के पद को राजपत्रित दर्जा देने तथा मकान किराया भत्ता की दरों के पुनरीक्षण की मांग भी की जा रही है। संघ की ओर से 10 अक्टूबर 2026 को मुख्यमंत्री और उच्च न्यायालय को पत्र भेजकर कर्मचारियों से जुड़े लंबित मामलों में शीघ्र निर्णय लेने की मांग की जाएगी। संघ पदाधिकारियों के मुताबिक, इसके बावजूद यदि निर्धारित समय में अपेक्षित सकारात्मक कार्रवाई नहीं होती है तो आंदोलन को अगले चरण में ले जाया जाएगा।

25 अक्टूबर को लखनऊ में सत्याग्रह

संघ ने स्पष्ट किया कि मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं होने की स्थिति में 25 अक्टूबर 2026 को प्रदेशभर के जिला न्यायालय कर्मचारी लखनऊ पहुंचकर सत्याग्रह में शामिल होंगे। आमसभा में कर्मचारियों से आंदोलन को सफल बनाने के लिए एकजुट रहने का आह्वान किया गया।

13 सितंबर को विधायक को सौंपेंगे ज्ञापन

संघ के सचिव वीरेश प्रताप सिंह ने बताया कि आंदोलन को चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जाएगा। इसके तहत 13 सितंबर 2026 को क्षेत्रीय विधायक के माध्यम से मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा जाएगा। इसके बाद 2 अक्टूबर 2026 को शांतिपूर्ण तिरंगा यात्रा निकालकर कर्मचारियों की मांगों को प्रमुखता से उठाया जाएगा।

लापता बच्चों की तलाश से घायल बालक की मदद तक

अंबेडकरनगर पुलिस की तत्परता पर एसपी ने किया सम्मान

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। बच्चों की सुरक्षा से जुड़े मामलों में तत्परता दिखाने वाले पुलिसकर्मियों को बृहस्पतिवार को पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। अलग-अलग मामलों में पुलिस टीमों ने तीन लापता बच्चों को तलाश कर सकुशल परिजनों के सुपुर्द किया। वहीं, सड़क दुर्घटना में घायल एक बालक को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर उपचार कराया गया।

पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने इन मामलों में किए गए कार्यों के लिए संबंधित पुलिसकर्मियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। उन्होंने बच्चों की तलाश और घायल बालक की मदद में तत्परता दिखाने वाले पुलिसकर्मियों को सम्मानित किया।

पुलिस के अनुसार, चारों मामलों में समय पर कार्रवाई करते हुए बच्चों को सुरक्षित किया गया और आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर उन्हें परिजनों के सुपुर्द किया गया।

कोतवाली अकबरपुर क्षेत्र के एक गांव निवासी पांच वर्षीय आयांश पुत्र पंकज वर्मा घर से साइकिल लेकर निकल गया था। रास्ता भटकने के बाद वह कुर्की बाजार पहुंच गया।

सूचना मिलते ही उपनिरीक्षक शिवम सिंह और मुख्य आरक्षी कपिल देव यादव ने बच्चे की तलाश शुरू की। पुलिस टीम ने आयांश को सकुशल बरामद किया और परिजनों के सुपुर्द कर दिया। कोतवाली अकबरपुर क्षेत्र से 12 वर्षीय दिव्यांश वर्मा पुत्र सुनील कुमार वर्मा के लापता होने की सूचना पुलिस को मिली थी। मामले में बच्चे को बहला-फुसलाकर ले जाने से संबंधित प्रावधानों के तहत कार्रवाई की गई थी। उपनिरीक्षक राम प्रताप वर्मा और मुख्य आरक्षी महेंद्र कुमार सोनी ने तलाश शुरू की। प्रयास के बाद दिव्यांश को जमुनीपुर बाजार से सकुशल बरामद कर लिया गया।

आसिम अली की मौत की जांच में अब दर्ज होंगे बयान

मजिस्ट्रियल जांच के लिए प्रशासन ने खोला रास्ता

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। 7 जुलाई 2026 को अभियुक्त आसिम अली उर्फ विक्की उर्फ नक्शे हसन उर्फ पेंदा पुत्र बाबू अली उर्फ मजहर हुसैन की हुई मृत्यु के मामले में मजिस्ट्रियल जांच शुरू हो गई है। जिलाधिकारी के स्तर से अपर उप जिलाधिकारी अकबरपुर को जांच की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

जांच के दौरान मामले से जुड़ी जानकारी और साक्ष्यों को दर्ज किया जाएगा। प्रशासन ने आम लोगों को भी प्रकरण से संबंधित तथ्य और अभिलेख प्रस्तुत करने का अवसर दिया है।

अपर उप जिलाधिकारी अकबरपुर ने साक्ष्य और बयान दर्ज कराने के लिए 16 सितंबर 2026 तक की तिथि निर्धारित की है। कोई भी व्यक्ति इस अवधि में किसी कार्यदिवस पर उनके न्यायालय या कार्यालय में उपस्थित होकर अपना बयान दर्ज करा सकता है।

इसके लिए किसी निश्चित तारीख का इंतजार नहीं करना होगा। निर्धारित अवधि के भीतर किसी भी कार्यदिवस में जांच अधिकारी के समक्ष उपस्थित होकर बयान या साक्ष्य दिया जा सकता है।

प्रशासन के अनुसार, जिस व्यक्ति के पास इस प्रकरण से संबंधित कोई जानकारी या अभिलेख है, वह उसे जांच के दौरान प्रस्तुत कर सकता है। इसके लिए अपर उप जिलाधिकारी अकबरपुर के कार्यालय या न्यायालय में उपस्थित होकर अपना साक्ष्य या बयान अंकित कराया जा सकेगा।

आवेदन : जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने दी जानकारी, 10 अन्य आवेदनों का सत्यापन पूरा

दिव्यांगजनों के लिए दुकान संचालन योजना बनी सहारा

> योजना से संबंधित किसी अन्य जानकारी के लिए जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी कार्यालय, विकास भवन, कक्ष संख्या-56, अंबेडकरनगर से संपर्क किया जा सकता है।

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। दिव्यांगजनों को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए संचालित दुकान निर्माण/संचालन योजना के तहत जिले के आठ पात्र लाभार्थियों के खातों में 10-10 हजार रुपये की धनराशि अंतरित की गई है। जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने बताया कि इस राशि से दिव्यांगजन छोटी दुकान आदि का संचालन कर अपनी आजीविका चला सकते हैं।

जिलाधिकारी के अनुसार, योजना का उद्देश्य पात्र दिव्यांगजनों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में मदद करना है। इसके साथ ही 10 अन्य पात्र लाभार्थियों के आवेदन पत्रों का सत्यापन कराकर निदेशालय दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, उत्तर प्रदेश को भेज दिया गया है। वहां से इन लाभार्थियों को भी जल्द धनराशि अंतरित की जाएगी। योजना के तहत 10 अन्य पात्र लाभार्थियों के आवेदन पत्रों का सत्यापन कराया जा चुका है। सत्यापन के बाद आवेदन निदेशालय दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, उत्तर प्रदेश लखनऊ को अग्रसारित कर दिए गए हैं।

विभागीय स्तर से प्रक्रिया पूरी होने के बाद इन लाभार्थियों के खातों में भी योजना की धनराशि अंतरित की जाएगी। योजना के लिए ऐसे दिव्यांगजन पात्र हैं, जिनमें 40 प्रतिशत या उससे अधिक दिव्यांगता हो और वे उत्तर प्रदेश के मूल निवासी हों। इसके अलावा आवेदक की वार्षिक आय शासन की ओर से गरीबी रेखा के लिए निर्धारित आय सीमा के दो गुने से अधिक नहीं होनी चाहिए। आवेदक की आयु 18 वर्ष या उससे अधिक और 60 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। जिलाधिकारी ने पात्र दिव्यांगजनों से योजना का लाभ लेने के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की अपील की है।

आठ लाभार्थियों को मिला योजना का लाभ

दुकान निर्माण/संचालन योजना के तहत जिले के आठ पात्र दिव्यांगजनों को 10 हजार रुपये की धनराशि उनके बैंक खातों में भेजी गई है। इस राशि का उपयोग छोटी दुकान आदि के संचालन में किया जा सकता है। जिलाधिकारी ने बताया कि इससे दिव्यांगजन अपनी आजीविका के लिए स्वरोजगार शुरू कर सकेंगे। योजना के माध्यम से उन्हें आर्थिक गतिविधि से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

छह लोगों की मौत, अमन के घर पहुंची आराध्या श्री फाउंडेशन की मदद

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। प्रतापगढ़ के महुंली गांव में हुए दर्दनाक हादसे के बाद आराध्या श्री फाउंडेशन ने अमन श्रीवास्तव के परिवार की मदद के लिए कदम बढ़ाया। मंगलवार को फाउंडेशन की टीम महुंली गांव पहुंची और अमन को आर्थिक सहायता के साथ घरेलू खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई। इस सहयोग में कायस्थ समाज अंबेडकरनगर की भी भागीदारी रही।

बीते 6 अगस्त 2026 को महुंली गांव में जर्जर मकान की छत गिरने से अमन के परिवार के छह सदस्यों की दबकर मौत हो गई थी। हादसे के बाद परिवार के सामने पैदा हुई मुश्किलों को देखते हुए फाउंडेशन ने सहायता जुटाने की पहल शुरू की थी। आराध्या श्री फाउंडेशन के अध्यक्ष अजय श्रीवास्तव ने बताया कि फाउंडेशन की ओर से 14 अगस्त से लोगों से सहयोग की अपील की जा रही थी। लोगों के सहयोग से आर्थिक सहायता और जरूरी घरेलू खाद्य सामग्री जुटाई गई। इसके बाद मंगलवार को फाउंडेशन के सदस्य महुंली गांव पहुंचे और अमन को यह सहायता उपलब्ध कराई।

फाउंडेशन की ओर से अमन को आर्थिक मदद के साथ घरेलू उपयोग की खाद्य सामग्री दी गई। संस्था ने बताया कि सहायता का उद्देश्य हादसे से प्रभावित परिवार को तत्काल जरूरत के समय सहयोग उपलब्ध कराना था।

> प्रतापगढ़ के महुंली गांव पहुंचकर दी आर्थिक सहायता और घरेलू खाद्य सामग्री, कायस्थ समाज अंबेडकरनगर ने भी किया सहयोग

सम्पादकीय

राम मंदिर का संचालन

राम मंदिर ट्रस्ट के पहले मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में पूर्व एयर मार्शल जितेंद्र मिश्र की नियुक्ति यह बताती है कि इस मंदिर की व्यवस्था के संचालन के लिए किसी कुशल पेशेवर की आवश्यकता थी। अच्छा होता कि इस आवश्यकता की पूर्ति पहले ही कर ली जाती। यह अच्छा नहीं हुआ कि यह काम तब किया गया, जब राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी का मामला सामने आया। इस मामले ने मंदिर प्रबंधन की व्यवस्था में खामी को उजागर किया और ट्रस्ट की प्रतिष्ठा को भी धूमिल किया। चूंकि जितेंद्र मिश्र आपरेशन सिंदूर समेत कई सैन्य अभियानों में अपनी दक्षता का परिचय दे चुके हैं, इसलिए आशा की जाती है कि वे राम मंदिर ट्रस्ट के सीईओ के रूप में भी अपने दायित्वों का निर्वहन अच्छी तरह करेंगे और उम्मीदों पर खरे उतरेंगे।

हालांकि किसी मंदिर ट्रस्ट के सीईओ की भूमिका सैन्य अधिकारी से भिन्न होती है, लेकिन दक्षता और कुशल प्रबंधन की मांग हर कहीं होती है। यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि जितेंद्र मिश्र राम मंदिर की देख-रेख, साफ-सफाई के साथ चढ़ावे का प्रबंध सही तरह कर सकने में समर्थ होंगे और साथ ही लोगों को यह भरोसा दिलाने में सफल होंगे कि उनके नेतृत्व में राम मंदिर का संचालन आदर्श तरीके से होगा। ऐसा होना भी चाहिए, क्योंकि यह एक भव्य मंदिर ही नहीं, आस्था का एक बड़ा केंद्र भी है। ऐसे किसी मंदिर में किसी भी तरह की अव्यवस्था के लिए कोई स्थान नहीं हो सकता। राम मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं को हर क्षण इसकी अनुभूति होनी चाहिए कि यहां सब कुछ विधिवत और धर्मसम्मत है।

चूंकि राम मंदिर ट्रस्ट के सीईओ का कार्यक्षेत्र प्रशासनिक दायित्वों तक सीमित है और उनका काम मंदिर के दैनिक प्रशासन की देख-रेख के साथ दर्शन की व्यवस्था और भीड़ का प्रबंधन करने के अतिरिक्त दान और वित्तीय गतिविधियों को संचालित करना होगा, इसलिए ट्रस्ट के अन्य सदस्यों को अपने हिस्से की भूमिका का निर्वाह करने के लिए सजग रहना होगा। इसलिए और भी, क्योंकि धार्मिक अनुष्ठानों से जुड़े मामलों को ट्रस्ट के अन्य सदस्य और विशेष रूप से संतगण देखेंगे। इन मामलों के समुचित अवलोकन से ही राम मंदिर की प्रतिष्ठा बढ़ेगी और वह हिंदू समाज की आस्था के एक बड़े स्थल के रूप में सुशोभित होगा। राम मंदिर उन आदर्शों का प्रकाशपुंज बनना चाहिए, जिनके लिए श्रीराम जाने और पूजे जाते हैं। वैसे तो संत समाज की यह मांग रही है कि राम मंदिर का संचालन उनके द्वारा ही हो, लेकिन एक तो इस पर आम सहमति नहीं और दूसरे, इस मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने और चढ़ावे के लेखा-जोखा के कारण प्रशासनिक मामलों में दक्ष लोगों की भी आवश्यकता है।

शिक्षा कोरी नियुक्ति ही नहीं, मुक्ति का माध्यम बने

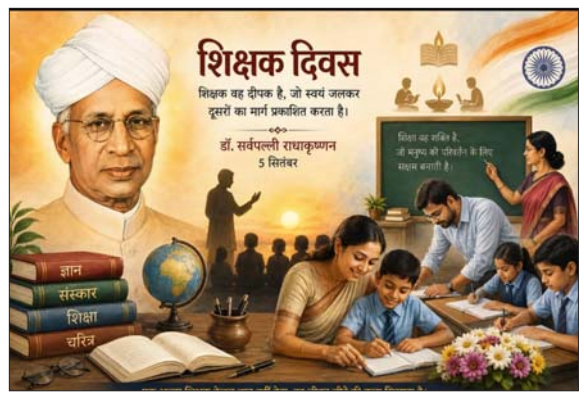

> शिक्षा के बदलते स्वरूप के साथ शिक्षक की भूमिका भी बदल रही है। कभी शिक्षा को 'सा विद्या या विमुक्तये' अर्थात् मुक्ति और आत्मविकास का माध्यम माना गया था, लेकिन आज अनेक बार उसका लक्ष्य केवल 'नियुक्ति' प्राप्त करने तक सिमटता दिखाई देता है।

शिक्षक दिवस केवल शिक्षकों के सम्मान का अवसर नहीं, बल्कि भारत की शिक्षा-दृष्टि, शिक्षक की भूमिका और भावी पीढ़ी के निर्माण पर गंभीर आत्ममंथन का दिन है। किसी राष्ट्र का भविष्य केवल उसके विद्यालयों की संख्या, भवनों की भव्यता, पुस्तकों की उपलब्धता या परीक्षाओं के परिणामों से निर्धारित नहीं होता, बल्कि इस बात से तय होता है कि उसके विद्यालयों से निकलने वाला मनुष्य कितना ज्ञानवान, विवेकशील, संवेदनशील, चरित्रवान और उत्तरदायी है। इसलिए आज देश में केवल शिक्षा क्रांति की नहीं, बल्कि शिक्षक क्रांति की भी आवश्यकता है। यदि शिक्षा का स्वरूप बदलना है तो शिक्षा देने वाले व्यक्ति की चेतना, दृष्टि और कार्यशैली में भी परिवर्तन लाना होगा। पूरे देश में समान गुणवत्ता वाली शिक्षा की दिशा में प्रयास तभी सफल होंगे, जब प्रत्येक बच्चे को समान अवसर के साथ योग्य, संस्कारवान और प्रतिबद्ध शिक्षक मिलें। भारत की परंपरा में शिक्षा का अर्थ कभी केवल सूचना और रोजगार प्राप्त करना नहीं रहा। हमारी ज्ञान-परंपरा में गुरु वह था जो अज्ञान के अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाता था। 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' भारतीय शिक्षा-दृष्टि की मूल चेतना को भी व्यक्त करता है। विद्या वह है जो मनुष्य के भीतर विवेक जगाए, उसके आचरण को परिष्कृत करे, उसे आत्मसंयम सिखाए और समाज एवं राष्ट्र के प्रति उत्तरदायी बनाए। आज यदि शिक्षा का अर्थ केवल नौकरी, पद, वेतन और प्रतिस्पर्धा तक सीमित होता जा रहा है तो हमें शिक्षा की आत्मा को पुनः खोजने की आवश्यकता है।

ज्ञान का मूल्य इस आधार पर तय होने लगा है कि उससे कितनी आय और कितना ऊंचा पद प्राप्त किया जा सकता है। शिक्षित होने की आकांक्षा बढ़ी है, लेकिन सुशिक्षित और संस्कारित होने की आकांक्षा उसी अनुपात में नहीं बढ़ी। यह स्थिति केवल शिक्षा व्यवस्था की नहीं, बल्कि पूरे समाज की चिंता का विषय है। आज शिक्षा के व्यवसायीकरण ने इस संकट को और गहरा किया है। शिक्षा जहां मिशन और सामाजिक दायित्व होनी चाहिए थी, वहां कई स्थानों पर वह व्यवसाय का रूप लेती दिखाई देती है। जब ज्ञान की कीमत बाजार तय करने लगे और शिक्षक की सफलता केवल परिणाम तथा वेतन से मापी जाने लगे, तब शिक्षा के मानवीय और संस्कारात्मक पक्ष का कमजोर होना स्वाभाविक है। इसके साथ गुरु-शिष्य संबंधों में भी अनेक स्तरों पर दूरी दिखाई दे रही है। शिक्षकों और विद्यार्थियों के बीच दुर्व्यवहार, अनुशासनहीनता और हिंसा की घटनाएं हमें चेताती हैं कि केवल पाठ्यक्रम बदलने से शिक्षा का संकट समाप्त नहीं होगा। हमें संबंधों की संस्कृति, संवाद की परंपरा और पारस्परिक सम्मान को भी पुनर्जीवित करना होगा। महान दार्शनिक और शिक्षक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जीवन इस बात का उदाहरण है कि शिक्षक केवल पेशा नहीं, एक जीवन-दृष्टि हो सकता है। उन्होंने अपने जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाए जाने की इच्छा व्यक्त की थी। तभी से 5 सितंबर देश में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। उनके जीवन से यह संदेश मिलता है कि शिक्षक का सम्मान केवल इसलिए नहीं कि वह पढ़ाता है, बल्कि इसलिए कि वह समाज की चेतना को दिशा देता है। वर्तमान समय में शिक्षक की भूमिका पहले से अधिक चुनौतीपूर्ण हो गई है। विद्यार्थी के सामने आज पुस्तक के अतिरिक्त इंटरनेट, सामाजिक माध्यम, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और असंख्य डिजिटल स्रोत उपलब्ध हैं। ऐसी स्थिति में शिक्षक की उपयोगिता कम नहीं हुई, बल्कि और बढ़ी है। अब शिक्षक को केवल जानकारी देने वाला नहीं, बल्कि सही जानकारी और गलत सूचना में अंतर समझाने वाला मार्गदर्शक बनना होगा। उसे विद्यार्थी को यह सिखाना होगा कि ज्ञान का उपयोग किस उद्देश्य से और किस जिम्मेदारी के साथ किया जाए। तकनीक शिक्षा का विकल्प नहीं, शिक्षक के हाथ में एक प्रभावी साधन बननी चाहिए।

महात्मा गांधी ने सर्वांगीण विकास में आत्मा, मस्तिष्क, वाणी और कर्म के संतुलन को महत्व दिया था। स्वामी विवेकानंद के अनुसार शिक्षा का उद्देश्य मनुष्य के भीतर निहित शक्तियों को जागृत करना है। इन दोनों दृष्टियों को आज की शिक्षा व्यवस्था से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। विद्यार्थी का मस्तिष्क ज्ञान से समृद्ध हो, हाथ कौशल से सक्षम हों, हृदय करुणा से भरा हो और चरित्र सत्य तथा ईमानदारी पर आधारित हो-यही वास्तविक सर्वांगीण शिक्षा है। केवल प्रतिभाशाली मनुष्य नहीं, बल्कि श्रेष्ठ मनुष्य बनाना शिक्षा का लक्ष्य होना चाहिए। आचार्य महाप्रज्ञ ने व्यक्तित्व-निर्माण को अत्यंत कठिन कार्य माना और इसके लिए निःस्वार्थ तथा जागरूक शिक्षक की आवश्यकता बताई। वास्तव में शिक्षक का सबसे प्रभावी पाठ उसकी पुस्तक नहीं, उसका अपना जीवन होता है। विद्यार्थी शिक्षक की कही बात से अधिक उसके व्यवहार को ग्रहण करता है। शिक्षक सत्यनिष्ठ है तो सत्य का संस्कार देता है, समय का सम्मान करता है तो अनुशासन सिखाता है, विनम्र है तो विनम्रता पैदा करता है और अपने कर्तव्य के प्रति समर्पित है तो समर्पण का उदाहरण बनता है। इसलिए शिक्षक प्रशिक्षण केवल नई शिक्षण पद्धतियों और तकनीकों तक सीमित नहीं होना चाहिएय उसमें चरित्र, संवेदनशीलता, संवाद-कौशल, मानसिक संतुलन, नैतिक नेतृत्व और भारतीय मूल्य-दृष्टि का भी प्रशिक्षण होना चाहिए।

शिक्षा को केवल परीक्षा और अंकों के दायरे से बाहर निकालना भी समय की मांग है। अच्छे अंक प्राप्त करना महत्वपूर्ण हो सकता है, लेकिन अच्छे अंक अच्छे मनुष्य होने की गारंटी नहीं हैं। राष्ट्र को कुशल वैज्ञानिक, चिकित्सक, अभियंता और प्रबंधक जितने चाहिए, उतने ही ईमानदार नागरिक, संवेदनशील परिवारजन, जिम्मेदार सामाजिक कार्यकर्ता और विवेकशील नेतृत्वकर्ता भी चाहिए। इसलिए मूल्यांकन में ज्ञान के साथ रचनात्मकता, समस्या-समाधान, सहयोग, सामाजिक संवेदना, नैतिक निर्णय क्षमता और व्यवहार को भी महत्व मिलना चाहिए। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने शिक्षा को अधिक समग्र, लचीला, कौशल-आधारित और भारतीय ज्ञान परंपरा से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण विचार सामने रखे हैं। लेकिन किसी नीति की वास्तविक सफलता उसके दस्तावेज में नहीं, उसके धरातलीय परिणामों में दिखाई देती है। छह वर्ष के अनुभव के बाद यह आवश्यक है कि सरकार, शिक्षाविद, शिक्षक, अभिभावक और समाज मिलकर निष्पक्षता से समीक्षा करें कि नीति के कौन-से उद्देश्य विद्यालयों तक प्रभावी रूप से पहुंचे और कहां अभी दूरी बनी हुई है।

ललित गर्ग

परिवार जीवन का आधार

परिवार मानव जीवन की वो संजीवनी बूटी हैं जिसकी मज़बूत जड़े व आधार हमारे को जीवन भर मिलता हैं । परिवार हैं तो सबकी पहचान हैं बिन परिवार के एकाकी या अलग - अलग किसी की कोई पहचान नहीं हैं । दुःख हैं तो परिवार के साथ इसका निदान होता हैं और सूख है तो परिवार के साथ ख़ुशियाँ बाटने में सूख बढ़ता हैं । अपवाद वस कही -कही हम यह देख सकते हैं की परिवार का कही सहयोग नहीं होता हैं बाहर समाज वाले या अन्य लोगों का सहयोग मिल जाता हैं वह जीवन सतत् गतिमान रहता हैं व इसके भी अलग - अलग मत होते हैं । समय का उतार - चढ़ाव होता रहता हैं , होता आया हैं व आगे भी होता रहेगा । उतार में सब बिखरते हैं लेकिन चढ़ाव में सब बिखरे हुए जुड़ जातें हैं या यों कहे की मन के गिले - शिकवे दूर हों जातें हैं और परिवार में आपस में कड़ियाँ जुड़कर सफल जीवन का आधार होते है । परिवार के ऊपर मैं दो सच्ची घटना रख रहा हूँ । एक सामूहिक परिवार था परिवार के बड़े बेटे के बड़े पुत्र का कार दुर्घटना में देहावसान हो गया और उसकी मृत्यु के 4 बाद उनके पुत्र हुआ । पहले उनके 3 पुत्रियाँ थी । बड़ी बेटी की शादी की बारी आयी तो परिवार ने सामूहिक होकर शादी की । दूसरी बेटी की शादी की बारी आयी जों बोल - सून नहीं सकती थी उसके लियें पाँव में पोलियो से ग्रस्त एक सुयोग्य लड़का मिला व सूखी जीवन उसका शुरू हों गया । अब तीसरी बेटी की शादी की बारी आयी तो फिर साथ में परिवार मिला व अच्छे से अच्छा घर उसको मिला व लड़के वालों ने ही शादी की पुरी व्यवस्था ख़र्च सहित अच्छे से अच्छी कर दी और यह शादी भी आनन्दपूर्वक अच्छे तरीक़े से सम्पन्न हुई । बेटा बड़ा हुआ और काम में लग गया । दूसरी घटना परिवार के बड़े बेटे के 4 पुत्र के पास काम करने का आधार नहीं था वो चिन्ता में आ गये बुरी तरह और दुःखी हुए वो अलग । तब उनके बड़े भाई ने उनको आर्थिक सहयोग किया व उनकी ज़िन्दगी शुरू करवायी व उनके परिवार को ख़ुशी दी । यह दोनो घटनाये लिखने में ज़रूर छोटी हैं लेकिन इनके भाव व इसके पीछे के दर्द का कोई शब्द नहीं हैं । यह परिवार का आधार हैं । अपने विवेक को न खोकर उसके उन्माद में परिवार के साथ रहना बहुत जरूरी हैं ,लेकिन पारिवारिक रिश्तों में दरार आने से बचाने के लिए अनेकान्त रूपी विचारों से अपने अभिमान को त्यागकर हार जाने में भी जीत का गहरा राज छिपा है।

› **प्रदीप छाजेड़**

गोकुल में यशोदा के...

कुमार कृष्णन

कृष्ण का जन्म : अंधकार में प्रकाश का अवतरण

कृष्ण का जन्म केवल एक बालक का जन्म नहीं है। वह उस क्षण का नाम है जब अंधकार के बीच प्रकाश उतरता है, भय के बीच निर्भयता जन्म लेती है और अत्याचार के बीच प्रतिरोध की पहली आहट सुनाई देती है। इसलिए जन्माष्टमी केवल उत्सव नहीं, आत्मचिंतन का अवसर भी है। यह पूछने का अवसर कि कृष्ण हमारे समय में कहां हैं और हमारे भीतर उनका जन्म कब होगा।

भागवत कृष्ण को लीला-पुरुषोत्तम के रूप में देखता है, जबकि गीता उन्हें कर्म, ज्ञान और भक्ति के समन्वयकारी पुरुष के रूप में हमारे सामने रखती है। कृष्ण का व्यक्तित्व जितना विराट है, उतना ही मानवीय भी। वे जीवन से भागने की नहीं, जीवन के बीच जागने की शिक्षा देते हैं। भगवान विष्णु ने द्वापर युग में कृष्ण के रूप में अवतार लिया—ऐसी भारतीय धार्मिक परंपरा की मान्यता है। भागवत पुराण की कथा के अनुसार, उनके जन्म से पहले ही देवकी और वसुदेव के सामने उनका चतुर्भुज रूप प्रकट हुआ। उन्होंने अपने माता-पिता को आश्वस्त किया कि वे उनके पुत्र के रूप में जन्म लेने वाले हैं और कंस के अत्याचार का अंत करेंगे। देवकी और वसुदेव ने उनसे बाल रूप धारण करने का आग्रह किया और देखते-देखते वह विराट सत्ता एक नवजात शिशु के रूप में माता की गोद में आ गई।

कृष्ण का जन्म कंस के कारागार में हुआ था। बाहर सत्ता का आतंक था और भीतर एक नवजात शिशु। यह विरोधाभास ही कृष्ण-कथा का पहला बड़ा प्रतीक है। जहां अत्याचार अपने को अजेय समझता है, वहीं परिवर्तन अक्सर सबसे कमजोर और असहाय दिखाई देने वाले रूप में जन्म लेता है। कंस के पास सत्ता थी, सैनिक थे, कारागार था, भय पैदा करने की पूरी व्यवस्था थी; कृष्ण के पास केवल जीवन था। लेकिन इतिहास ने अंततः यह सिद्ध किया कि सत्ता की दीवारें जीवन की आहट को हमेशा कैद नहीं रख सकतीं।

कृष्ण के जन्म की रात मूसलाधार वर्षा हो रही थी। कारागार के द्वार खुल गए और पहरेदार निद्रा में पड़ गए। वसुदेव कृष्ण को टोकरी में लेकर गोकुल की ओर चल पड़े। रास्ते में उफनती यमुना मिली। वे बालक को सिर पर उठाए नदी पार करने लगे। कृष्ण के चरणों का स्पर्श पाने के लिए यमुना का जल ऊपर उठता गया और जैसे ही उसने भगवान के चरणों को छुआ, उसका वेग शांत हो गया।

यह प्रसंग केवल चमत्कार की कथा नहीं है। इसमें भारतीय अध्यात्म का एक गहरा संकेत छिपा है—जब मनुष्य अपने भीतर के प्रकाश को लेकर अंधकार से बाहर निकलता है, तब सबसे उफनती हुई बाधाएं भी रास्ता देने लगती हैं। जीवन की नदियां हमेशा शांत नहीं होतीं। कभी वे भय, मोह, संकट और असफलता के रूप में हमारे सामने आती हैं। लेकिन जिस मनुष्य के भीतर विश्वास का दीप जल रहा हो, वह अंधकार को अंतिम सत्य नहीं मानता।

गोकुल में यशोदा के घर कृष्ण का पालन हुआ। उनका जन्म देवकी से हुआ, लेकिन उनका बचपन यशोदा की गोद में बीता। यही कृष्ण के व्यक्तित्व की एक अद्भुत विशेषता है—वे रक्त के संबंध से अधिक प्रेम के संबंध को महत्त्व देते हैं। देवकी जन्मदात्री हैं, यशोदा पालनकर्त्री; लेकिन कृष्ण की स्मृति में दोनों मातृत्व की समान ऊंचाई पर हैं। कृष्ण इस अर्थ में भी प्रेम के देवता हैं कि वे संबंधों को केवल रक्त और जन्म से नहीं, संवेदना और समर्पण से परिभाषित करते हैं। कृष्ण की बाल-लीलाएं—माखन चोरी, गोपियों के साथ रास, बांसुरी की धुन, कालिया-दमन और गोवर्धन धारण—भारतीय लोकमानस में आज भी जीवित हैं। भागवत इन लीलाओं में भक्ति की ऐसी अनुभूति देखता है जिसमें भक्त और भगवान के बीच की दूरी समाप्त हो जाती है। गोपियों का कृष्ण के प्रति प्रेम सांसारिक आकर्षण नहीं, बल्कि आत्मा का परमात्मा के प्रति पूर्ण समर्पण बन जाता है। यही भावना आगे चलकर भक्ति योग का आधार बनती है। भक्ति केवल पूजा-पद्धति नहीं, अहंकार का विसर्जन है। जब मनुष्य अपने कर्म, फल और अहंकार को ईश्वर को समर्पित कर देता है, तब उसका जीवन साधना बन जाता है।

स्नातक स्तर...

डॉ0 सीमा

जनपद आजमगढ़ में उद्यमशीलता का नवोन्मेषः मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान से सशक्त होती आत्मनिर्भरता

उत्तर प्रदेश के आर्थिक परिदृश्य में वर्तमान समय में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (डैडम्) की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो चुकी है। राज्य के समग्र विकास की प्राथमिकताओं के केंद्र में अब केवल बड़े औद्योगिक निवेश ही नहीं, बल्कि स्थानीय स्तर पर जमीनी उद्यमशीलता का सुदृढ़ीकरण भी है। इस दिशा में प्रदेश सरकार द्वारा संचालित 'मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान' राज्य की ऊर्जावान युवा जनशक्ति को आजीविका की तलाश करने वाले वर्ग से आगे बढ़ाकर आर्थिक गतिविधियों के सूत्रधार और रोजगार प्रदाता के रूप में स्थापित कर रहा है। जनपद आजमगढ़ में इस योजना का प्रभाव केवल वित्तीय सहायता के वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह ग्रामीण व अर्ध-शहरी युवाओं में व्यावसायिक आत्मविश्वास, स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता के नए मानक स्थापित कर रहा है। स्थानीय स्तर पर उद्यमशीलता की संस्कृति को विकसित करने के उद्देश्य से योजना के तहत एक सुगम, पारदर्शी और व्यावहारिक वित्तीय व्यवस्था को तैयार किया गया है। योजना के प्रावधानों के अनुसार 21 से 40 वर्ष की आयु वर्ग के न्यूनतम आठवीं उत्तीर्ण शिक्षित युवाओं को विनिर्माण, सेवा क्षेत्र, फ्रेंचाइजी तथा 'बिजनेस ऑन व्हील्स' जैसे क्षेत्रों में नवीन सूक्ष्म इकाइयां स्थापित करने हेतु संस्थागत वित्तपोषण उपलब्ध कराया जा रहा है। योजना के अंतर्गत प्रथम चरण में 5 लाख रुपये तक की सूक्ष्म परियोजनाओं के लिए बिना किसी गारंटी (सी.जी.टी.एम.एस.ई कवर्ड) के शत-प्रतिशत ब्याज उपादान (चार वर्षों तक ब्याज-मुक्त ऋण) तथा परियोजना लागत पर 10 प्रतिशत मार्जिन मनी अनुदान की सुविधा दी गई है। यह नीतिगत संरक्षण उन युवाओं के लिए वरदान साबित हो रहा है, जिनके पास कार्यकुशलता और विचार तो हैं, परंतु पूंजी और जमानत के अभाव में वे अपना व्यवसाय आरंभ करने में असमर्थ थे।

जनपद आजमगढ़ में जिला प्रशासन, जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र तथा अग्रणी बैंकों के निरंतर समन्वय से योजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है। जनपद में अब तक लगभग 6,500 युवाओं के ऋण प्रस्ताव स्वीकृत कर उन्हें वित्तीय मुख्यधारा से जोड़ा जा चुका है। इस पहल का सबसे महत्वपूर्ण सामाजिक-आर्थिक पहलू यह है कि इसने रोजगार के अभाव में मजबूरी वश महानगरों की ओर होने वाले पलायन को रोकने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। स्थानीय स्तर पर अनुकूल व्यावसायिक वातावरण मिलने से युवा अब अपने गृह क्षेत्र में ही रहकर अपनी आजीविका का स्थायी मार्ग चुन रहे हैं। इस संरचनात्मक बदलाव का एक प्रामाणिक और प्रेरक उदाहरण जनपद आजमगढ़ के बधाईगंज क्षेत्र में देखने को मिलता है। स्नातक स्तर तक की शिक्षा प्राप्त करने वाले स्थानीय युवा हरेन्द्र यादव को सीमित आर्थिक परिस्थितियों के कारण आजीविका की खोज में देश की आर्थिक राजधानी मुंबई का रुख करना पड़ा था। महानगर में लगभग 12 वर्षों तक कठिन परिश्रम और संघर्ष करने के बावजूद स्वयं का उद्यम स्थापित करने का उनका सपना पूंजी के अभाव में अधूरा ही रहा।

जरा हटके

स्मार्ट क्लासरूम ...

आशिया खातून

प्रदेश के सर्वोदय विद्यालयों के विद्यार्थियों को दी जायेगी नवीन तकनीकी शिक्षा

शिक्षा का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। डिजिटल तकनीक आज केवल सुविधा नहीं, बल्कि गुणवत्तापूर्ण और प्रभावी शिक्षा का महत्वपूर्ण माध्यम बन चुकी है। ऐसे समय में उत्तर प्रदेश सरकार भी अपने विद्यार्थियों को पारंपरिक शिक्षा के साथ आधुनिक तकनीक से जोड़ने की दिशा में निरंतर कदम उठा रही है। इसी क्रम में समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों में स्मार्ट क्लासरूम की शुरुआत एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में सामने आई है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को तकनीक आधारित शिक्षा उपलब्ध कराने के साथ उनकी प्रतिभा, जिज्ञासा और सीखने की क्षमता को नई दिशा देना है।

करीब 35 करोड़ रुपये की ब्ृैत् परियोजना के तहत शुरू की गई इस पहल के प्रथम चरण में पांच जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों में एक-एक स्मार्ट क्लासरूम तैयार किया गया है। यह पहल केवल कक्षाओं को आधुनिक उपकरणों से लैस करने तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों को भविष्य की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करने की व्यापक सोच है। उत्तर प्रदेश में समाज कल्याण विभाग द्वारा कुल 103 सर्वोदय विद्यालयों का संचालन किया जा रहा है। इन विद्यालयों का उद्देश्य विशेष रूप से ऐसे विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर शैक्षिक वातावरण उपलब्ध कराना है, जिन्हें बेहतर अवसरों की आवश्यकता है। स्मार्ट क्लासरूम परियोजना के प्रथम चरण के लिए पांच विद्यालयों का चयन किया गया है। इनमें निडोरी (गाजियाबाद), बदनौरा (बुलंदशहर), हस्तिनापुर (मेरठ), बरेली और पीलीभीत के सर्वोदय विद्यालय शामिल हैं। इन विद्यालयों में तैयार किए गए स्मार्ट क्लासरूम विद्यार्थियों को कक्षा में विषयों को अधिक रोचक और प्रभावी ढंग से समझने का अवसर देंगे। अब कठिन लगने वाले विषयों को डिजिटल सामग्री, दृश्य प्रस्तुति और आधुनिक शिक्षण तकनीकों के माध्यम से सरल तरीके से समझाया जा सकेगा।

स्मार्ट क्लासरूम की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां पढ़ाई केवल किताब और ब्लैकबोर्ड तक सीमित नहीं रहेगी। आधुनिक सुविधाओं से लैस इन कक्षाओं में स्मार्ट बोर्ड और स्मार्ट पैनल लगाए गए हैं। इसके अलावा विद्यार्थियों की सुविधा के लिए दो एयर कंडीशनर और वुडेन फ्लोरिंग की व्यवस्था भी की गई है। स्मार्ट बोर्ड और डिजिटल पैनल के माध्यम से शिक्षक विषय से संबंधित चित्र, वीडियो, ग्राफिक्स और अन्य डिजिटल सामग्री का उपयोग कर सकेंगे। इससे विद्यार्थियों को विषयों को देखने, समझने और उनके साथ जुड़ने का अवसर मिलेगा।

उदाहरण के लिए विज्ञान के किसी जटिल विषय को केवल पुस्तक में पढ़ने के बजाय उसके चित्रात्मक और डिजिटल प्रदर्शन के माध्यम से समझाया जा सकता है। भूगोल के विषयों को नक्शों और दृश्य सामग्री के जरिए अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। गणित जैसे विषयों में भी डिजिटल उदाहरण और इंटरैक्टिव सामग्री विद्यार्थियों की समझ को बेहतर बनाने में सहायक हो सकती है। स्मार्ट क्लासरूम केवल पढ़ाई का तरीका बदलने की पहल नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों के भविष्य को नई दिशा देने का प्रयास है। प्रदेश सरकार का उद्देश्य है कि प्रत्येक विद्यार्थी आधुनिक तकनीक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से जुड़े तथा भविष्य की प्रतिस्पर्धाओं के लिए स्वयं को तैयार करें। आज का विद्यार्थी आने वाले समय में जिस दुनिया में प्रवेश करेगा, वहां डिजिटल ज्ञान और तकनीकी दक्षता का महत्व लगातार बढ़ता जा रहा है। ऐसे में विद्यालय स्तर से ही विद्यार्थियों को तकनीक के साथ सहज बनाना जरूरी है। प्रदेश सरकार की यह पहल इस दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है कि प्रतिभा किसी एक वर्ग, क्षेत्र या सुविधा तक सीमित नहीं होनी चाहिए। यदि किसी विद्यार्थी में सीखने की क्षमता और आगे बढ़ने का जज्बा है तो उसे आधुनिक संसाधनों तक पहुंच मिलनी चाहिए। स्मार्ट क्लासरूम इसी सोच को मजबूत करने का माध्यम बनेंगे।

इस परियोजना का एक महत्वपूर्ण पहलू सरकार और निजी क्षेत्र के बीच सहयोग भी है। थ्प्त्ृैज् व्प्ळप्छ छमगजळमद म्कनजमबी च्अजण् स्जकण् के सहयोग से ब्ृैत् के माध्यम से शुरू की गई यह परियोजना शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में सरकारी प्रयासों को सामाजिक और कॉरपोरेट भागीदारी से नई गति दी जा रही है। करीब 35 करोड़ रुपये की ब्ृैत् परियोजना के माध्यम से स्मार्ट शिक्षा के विस्तार का लक्ष्य यह भी है कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा केवल सरकारी विभागों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के विभिन्न वर्गों की साझा जिम्मेदारी भी है। यदि ऐसे प्रयास निरंतर आगे बढ़ते हैं तो सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को भी वे आधुनिक शैक्षिक सुविधाएं मिल सकती हैं, जो अक्सर निजी संस्थानों की पहचान मानी जाती रही हैं।

आज दुनिया तेजी से डिजिटल अर्थव्यवस्था और तकनीकी नवाचार की ओर बढ़ रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, डिजिटल कम्युनिकेशन, ऑनलाइन लर्निंग और नई तकनीकों ने रोजगार तथा शिक्षा की परिभाषा को बदल दिया है। ऐसे समय में विद्यार्थियों को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित रखना पर्याप्त नहीं है। उन्हें बदलती दुनिया के लिए तैयार करना भी शिक्षा का महत्वपूर्ण उद्देश्य है। उत्तर प्रदेश के सर्वोदय विद्यालयों में स्मार्ट क्लासरूम की शुरुआत इसी व्यापक बदलाव की दिशा में एक कदम है। यह पहल विद्यार्थियों को तकनीक से जोड़ने के साथ उनके भीतर सीखने की नई संभावनाओं को जन्म देगी। पहले चरण में पांच विद्यालयों से शुरू हुआ यह प्रयोग आने वाले समय में प्रदेश के अन्य सर्वोदय विद्यालयों तक विस्तार ले सकता है। दूसरे चरण में स्मार्ट क्लासरूम और ऑनलाइन शिक्षा के विस्तार की योजना इस दिशा में आगे की संभावनाओं को स्पष्ट करती है।

प्रदेश सरकार द्वारा शुरू किये गये स्मार्ट क्लासरूम का यह सफर स्मार्ट शिक्षा, डिजिटल सशक्तीकरण और स्मार्ट भविष्य की ओर बढ़ता हुआ कदम है। आज इन कक्षाओं में विद्यार्थी नई तकनीक के साथ सीखेंगे, कल यही विद्यार्थी तकनीक का इस्तेमाल कर अपने सपनों को नई उड़ान देंगे।

निशुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण से युवाओं को मिल रहा रोजगारपरक कौशल बढ़ाने का अवसर

योगी सरकार की डिजिटल पहल

प्रशिक्षण

- ओ-लेवल में 24,240 और सीसीसी में 7,362 प्रशिक्षणार्थी ले रहे प्रशिक्षण
- नाइलिट से मान्यता प्राप्त संस्थानों के जरिए युवाओं को दी जा रही निःशुल्क तकनीकी शिक्षा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार युवाओं को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने और रोजगार के लिए तैयार करने पर विशेष जोर दे रही है। पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की निशुल्क ओ-लेवल एवं सीसीसी कंप्यूटर प्रशिक्षण योजना आर्थिक रूप से कमजोर ओबीसी युवक-युवतियों के लिए तकनीकी शिक्षा का प्रभावी माध्यम बन गई है। योजना के तहत इस वर्ष 31 हजार से ज्यादा प्रशिक्षणार्थी कंप्यूटर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। सरकार की इस पहल से युवाओं को आधुनिक तकनीकी ज्ञान और रोजगारपरक कौशल हासिल करने का अवसर मिल रहा है।

योजना के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर ओबीसी युवाओं को बिना किसी शुल्क के आधुनिक कंप्यूटर शिक्षा उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे उनकी तकनीकी दक्षता बढ़ाने के साथ रोजगार के अवसरों को भी मजबूती मिल रही है।

31 हजार से ज्यादा ओबीसी युवा बन रहे तकनीकी दक्ष

डिजिटल शिक्षा से रोजगार की ओर बढ़ रहे युवा

योगी सरकार की यह पहल तकनीकी शिक्षा को गांव और कस्बों तक पहुंचाने के साथ युवाओं को बदलती डिजिटल अर्थव्यवस्था के अनुरूप तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। निःशुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण, व्यापक संस्थागत नेटवर्क और बड़ी संख्या में युवाओं की भागीदारी इस योजना को रोजगारोन्मुखी शिक्षा की दिशा में सरकार की एक सराहनीय पहल बना रही है।

338 प्रशिक्षण संस्थानों का मजबूत नेटवर्क

प्रशिक्षण भारत सरकार के राष्ट्रीय इलेक्ट्रानिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट) से मान्यता प्राप्त संस्थानों के माध्यम से कराया जा रहा है। प्रदेश में वर्तमान में 338 प्रशिक्षण संस्थान योजना से जुड़े हैं। इनमें 63 संस्थान केवल ओ-लेवल, 39 सीसीसी और 236 संस्थान दोनों पाठ्यक्रम संचालित कर रहे हैं। इससे प्रदेश के अधिकांश जिलों में युवाओं को अपने नजदीक ही कंप्यूटर प्रशिक्षण हासिल करने की सुविधा मिल रही है। सरकार की ओर से ओ-लेवल प्रशिक्षण के लिए प्रति छात्र 15 हजार रुपये और सीसीसी के लिए 3,500 रुपये तक का भुगतान किया जाता है। इससे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के युवाओं पर प्रशिक्षण का आर्थिक बोझ नहीं पड़ता।

70 हजार से ज्यादा आये थे आवेदन

वित्तीय वर्ष 2026-27 में योजना के लिए 40 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इस वर्ष 31,602 प्रशिक्षणार्थी प्रतिभाग कर रहे हैं। जिसमें सबसे ज्यादा ओ-लेवल में 24,240 और सीसीसी में 7,362 प्रशिक्षणार्थी शामिल हैं। 11 अगस्त से प्रशिक्षण शुरू हो चुका है। वर्ष 2026-27 में योजना के लिए 70 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हुए थे। इनमें सबसे अधिक आवेदन ओ-लेवल प्रशिक्षण के लिए आये थे।

कार्यालय में ऑफलाइन प्रत्यावेदन स्वीकार नहीं होंगे

10 सितंबर तक ई-मेल पर भेज सकेंगे अपना प्रत्यावेदन

तमसा संकेत, संवाददाता

- यूपीटेट 2026 के परिणाम से संबंधित प्रत्यावेदन अब केवल ई-मेल के माध्यम से होंगे स्वीकार

प्रयागराज/ लखनऊ। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग द्वारा शिक्षक पात्रता परीक्षा (UPTET-2026) के 26 अगस्त 2026 को घोषित परिणाम के संबंध में अभ्यर्थियों द्वारा अपने अनुतोष/आपत्तियों के लिए प्रस्तुत किए जा रहे प्रत्यावेदनों के संबंध में महत्वपूर्ण सूचना जारी की गई है। आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी अब अपना प्रत्यावेदन आयोग के ई-मेल upesscprayagraj @gmail.com पर भेज सकते हैं। आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि आयोग द्वारा जारी विज्ञप्ति संख्या 1898/48/(2026)/परीक्षा/2026-27 दिनांक 01 सितंबर 2026 के क्रम में यह व्यवस्था की गई है। UPTET-2026 के घोषित परिणाम के पश्चात अपने अनुतोष के संबंध में प्रत्यावेदन प्रस्तुत करने के इच्छुक अभ्यर्थी अपना प्रत्यावेदन 10 सितंबर 2026 तक आयोग के उक्त ई-मेल पते पर अनिवार्य रूप से उपलब्ध करा दें। उन्होंने स्पष्ट किया कि आज से आयोग कार्यालय में इस संबंध में ऑफलाइन माध्यम से कोई भी प्रत्यावेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। अभ्यर्थियों को अपने प्रत्यावेदन निर्धारित अंतिम तिथि तक केवल ई-मेल के माध्यम से ही भेजने होंगे। आयोग ने अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए अपने प्रत्यावेदन समयसीमा के भीतर उपलब्ध कराएं, ताकि प्राप्त प्रत्यावेदनों पर नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही की जा सके।

फास्ट न्यूज

गोमती का बढ़ा जलस्तर, कुड़ियाघाट पर नावों का संचालन बंद

लखनऊ। राजधानी में लगातार हो रही बारिश से गोमती नदी का जलस्तर बढ़ गया है। नदी में पानी का बहाव तेज होने से प्रशासन ने सतर्कता बढ़ा दी है। कुड़ियाघाट पर नाव चलाने पर फिलहाल रोक लगा दी गई है। लोगों से नदी और घाट के आसपास नहीं जाने की अपील की जा रही है।

सुरक्षा को देखते हुए घाट पर आने वाले लोगों को नदी के किनारे जाने से रोका जा रहा है। प्रशासन और संबंधित विभाग के अधिकारी स्थिति पर नजर रख रहे हैं।

लखनऊ में ट्रेन से कटकर 51 वर्षीय व्यक्ति की मौत

दुबग्गा। लखनऊ के काकोरी में गुरुवार सुबह राजधानी एक्सप्रेस की चपेट में आने से 51 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। वह रेलवे ट्रैक पर लेटा हुआ था। हादसा पोल संख्या 1086/11-13 के पास हुआ। पुलिस के मुताबिक, सुबह करीब 6:45 बजे रेलवे लाइन पर एक व्यक्ति के ट्रेन से कटने की सूचना मिली। उपनिरीक्षक राजकुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। वहां युवक का शव ट्रैक के बीच पड़ा था। जीआरपी और ट्रैकमैन की मदद से शव को ट्रैक के किनारे कराया गया।

लखनऊ में होटल जनरल मैनेजर की संदिग्ध मौत

लखनऊ । लखनऊ के आशियाना स्थित होटल वीनस के जनरल मैनेजर रामबली (31) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सोमवार सुबह उनका शव पावर हाउस चौराहे के पास एक जूस की दुकान के नजदीक सड़क किनारे मिला। परिजनों के मुताबिक, उनके शरीर पर रगड़ के निशान थे। मोबाइल फोन और रुपए भी गायब मिले हैं।

ओडिशा विधानसभा की स्टैंडिंग कमेटी ने विधानसभा अध्यक्ष से की भेंट

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। ओडिशा विधानसभा की वर्ष 2026-27 की स्टैंडिंग कमेटी के अध्यक्ष बाबू सिंह के नेतृत्व में समिति के सदस्यों ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष श्री सतीश महाना से भेंट की। इस दौरान दोनों राज्यों की विधानसभाओं की कार्यप्रणाली, संसदीय परंपराओं और विधायी समितियों की भूमिका को लेकर विचार-विमर्श हुआ।

ओडिशा विधानसभा की समिति में विधायक डॉ. ब्योमकेश राय, मानस कुमार दत्ता, सुनील कुमार महंती, नीलमाधव हिकाका सहित अन्य सदस्य शामिल हैं। समिति के साथ ओडिशा विधानसभा के डेस्क ऑफिसर ईश्वर चंद्र नायक तथा ओएसडी-कम-ज्वाइंट सेक्रेटरी (रिपोर्टिंग) निरंजन कर भी मौजूद रहे। भेंट के दौरान श्री महाना ने ओडिशा विधानसभा की समिति के सदस्यों का स्वागत किया और लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने में विधानमंडलीय समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि विधानसभाएं केवल कानून बनाने का मंच नहीं, बल्कि जनहित से जुड़े विषयों पर गंभीर मंथन और सरकार के कार्यों की समीक्षा का भी महत्वपूर्ण माध्यम हैं।

अखिलेश यादव का भाजपा पर हमला, बोले- किसान, मजदूर, युवा, व्यापारी और कारीगर परेशान

पश्चिमी यूपी की अर्थव्यवस्था को साजिशन पहुंचाया नुकसान

> अखिलेश यादव के मुताबिक, पिछले 10-15 वर्षों से कथित उत्पीड़न, उपेक्षा और अत्याचार से किसान, मजदूर-श्रमिक, हस्तकार, युवा, महिलाएं, खिलाड़ी, कलाकार, दुकानदार, व्यापारी, कारोबारी, एक्सपोर्टर और उद्योगपति जागरूक हो चुके हैं। उन्होंने दावा किया कि अब ये वर्ग किसी के बहकावे में नहीं आएंगे।

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर पश्चिमी उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था और सामाजिक सौहार्द को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक लाभ के लिए पश्चिमी उत्तर प्रदेश में साम्प्रदायिक और जातिगत विभाजन पैदा किया गया, जिसका सीधा असर खेती-किसानी, उद्योग, कारोबार और रोजगार पर पड़ा है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में खेती-किसानी और उद्योग प्रभावित हुए हैं। उन्होंने दावा किया कि हैंडीक्राफ्ट और एक्सपोर्ट कारोबार को भी नुकसान पहुंचा है। सरकारी नौकरियों में पर्याप्त भर्ती नहीं होने, खेलों को अपेक्षित प्रोत्साहन न मिलने और शिक्षा व्यवस्था प्रभावित होने का भी उन्होंने आरोप लगाया।

सपा अध्यक्ष ने कहा कि श्रमिकों में असंतोष बढ़ने दिया गया, जिससे कारखानों और औद्योगिक गतिविधियों पर प्रतिकूल असर पड़ा। उनका आरोप है कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश की दस्तकारी और हस्तकारी को भी जानबूझकर कमजोर किया जा रहा है।

अखिलेश यादव ने अमेरिकी डील और बढ़े हुए टैरिफ का पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कारोबार पर असर पड़ने का दावा किया। उन्होंने कहा कि इसका प्रभाव क्षेत्र के किसानों के साथ-साथ मुरादाबाद, अलीगढ़, सहारनपुर, मेरठ और अन्य औद्योगिक क्षेत्रों के कारखानों तथा हस्तशिल्प कारोबार पर भी पड़ा है। उन्होंने कहा कि सामाजिक सौहार्द बिगड़ने से कारोबारियों में डर का माहौल पैदा हुआ। अखिलेश यादव ने अपने बयान में विभिन्न घटनाओं का उल्लेख करते हुए भाजपा सरकार पर सामाजिक रूप से कमजोर वर्गों के उत्पीड़न का भी आरोप लगाया।

2027 में पश्चिमी उत्तर प्रदेश से आएंगे अप्रत्याशित चुनावी नतीजे

किसानों और छोटे व्यापारियों के मुद्दे उठाए

अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में किसानों पर अत्याचार हो रहा है और उनकी जमीन छीनने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने जीएसटी व्यवस्था को लेकर भी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि इससे छोटे व्यापारियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने खिलाड़ियों के सम्मान और सुविधाओं को लेकर भी सवाल उठाए। साथ ही कहा कि शिक्षा व्यवस्था को कमजोर किया जा रहा है और स्कूलों व जौहर यूनिवर्सिटी को बंद करने की साजिश की जा रही है।

एलआईसी बीमा सखी कार्यक्रम से स्वयं सहायता समूहों की महिलाएँ बन रहीं आत्मनिर्भर

केशव प्रसाद के नेतृत्व में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को नई गति

- बीमा सखियों ने अर्जित किया रु 2.3 करोड़ से अधिक का सामूहिक कमीशन

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण, वित्तीय समावेशन तथा आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रभावी कदम उठा रही है। इसी क्रम में एलआईसी बीमा सखी कार्यक्रम महिलाओं के लिए सम्मान-जनक आजीविका और स्वरोजगार का सशक्त माध्यम बनकर उभरा है। स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) से जुड़ी महिलाओं को एलआईसी से जोड़कर बीमा सखी के रूप में प्रशिक्षित एवं कार्यरत किया जा रहा है, जिससे वे अपने परिवार के साथ-साथ समाज की आर्थिक प्रगति में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रदेश सरकार का उद्देश्य महिलाओं को केवल योजनाओं का लाभार्थी बनाना नहीं, बल्कि उन्हें विकास प्रक्रिया का सहभागी और नेतृत्वकर्ता बनाना है। एलआईसी बीमा सखी कार्यक्रम इसी सोच का परिणाम है, जो ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ वित्तीय जागरूकता का भी सशक्त माध्यम बन रहा है। उप मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रदेश सरकार की महिला-केंद्रित योजनाओं और स्वयं सहायता समूहों की सशक्त भागीदारी से उत्तर प्रदेश में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को और अधिक गति मिलेगी तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती प्राप्त होगी।

राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के मिशन निदेशक श्री अरूण कुमार ने बताया कि बीमा सखियों ने अपने समर्पण, मेहनत और उत्कृष्ट कार्य के बल पर मात्र छह माह में 2.3 करोड़ से अधिक का सामूहिक कमीशन अर्जित किया है। यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि यदि महिलाओं को अवसर, प्रशिक्षण और उचित मंच उपलब्ध कराया जाए तो वे आर्थिक विकास की मजबूत धुरी बन सकती हैं।

5000 से अधिक आवेदन प्राप्त हो चुके

राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से प्राप्त जानकारी के अनुसार कार्यक्रम के अंतर्गत अब तक 5000 से अधिक आवेदन प्राप्त हो चुके हैं, जिनमें से 1,000 से अधिक स्वयं सहायता समूहों की महिलाएँ सफलतापूर्वक एलआईसी बीमा सखी के रूप में कार्य कर रही हैं। इस पहल में बीसी सखी, बैंक सखी तथा अन्य सामुदायिक कैडरों को प्राथमिकता दी गई है, ताकि उनके अनुभव, सामाजिक विश्वास और समुदाय से जुड़ाव का अधिकतम लाभ ग्रामीण क्षेत्रों तक बीमा सेवाओं के विस्तार में मिल सके।

रामा यूनिवर्सिटी के विधि विद्यार्थियों ने सतीश महाना से किया संवाद

विधानसभा, विधानपरिषद और समितियों की कार्यप्रणाली को करीब से समझा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। रामा यूनिवर्सिटी, कानपुर के विधि संकाय के विद्यार्थियों ने शैक्षिक भ्रमण के तहत उत्तर प्रदेश विधानसभा का दौरा किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने विधानसभा अध्यक्ष श्री सतीश महाना से शिष्टाचार भेंट की और संसदीय व्यवस्था, विधायी प्रक्रिया तथा सदन की कार्यप्रणाली से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से संवाद किया। उन्होंने विद्यार्थियों को विधानसभा और विधानपरिषद के बीच अंतर समझाते हुए विधानमंडल की दोनों संस्थाओं की भूमिका के बारे में बताया। साथ ही विधेयकों के निर्माण और पारित होने की प्रक्रिया, सदन में चर्चा तथा जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारियों से जुड़े विषयों पर भी विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया।

विधानसभा अध्यक्ष ने विद्यार्थियों को बताया कि विधानसभा केवल सदन में होने वाली बहस और कानून बनाने तक सीमित संस्था नहीं है, बल्कि यह जनता की आकांक्षाओं और समस्याओं को सरकार तक पहुंचाने तथा उन पर चर्चा का महत्वपूर्ण मंच है। उन्होंने विधानसभा की भूमिका और उसके कामकाज की जानकारी देते हुए बताया कि किस प्रकार जनप्रतिनिधि अपने क्षेत्रों से जुड़े मुद्दों को सदन में उठाते हैं। महाना ने विद्यार्थियों को विधानसभा की विभिन्न समितियों की भूमिका और उनकी कार्यप्रणाली के बारे में भी विस्तार से बताया। उन्होंने समझाया कि सदन की समितियां विभिन्न विषयों और सरकारी कार्यों की गहन समीक्षा करती हैं तथा संसदीय व्यवस्था को प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। विद्यार्थियों ने समितियों के गठन, उनके कामकाज और रिपोर्ट तैयार करने की प्रक्रिया को लेकर भी जानकारी प्राप्त की।

जलभराव वाले क्षेत्रों में युद्धस्तर पर जल निकासी सुनिश्चित करें

आमजन को किसी भी दशा में परेशानी न हो : मंत्री ए.के. शर्मा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने लखनऊ के आशियाना स्थित नाले का औचक निरीक्षण कर वर्षा काल में जल निकासी की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जलभराव की समस्या के तत्काल समाधान तथा नाले की समुचित सफाई एवं जल निकासी व्यवस्था सुनिश्चित करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मंत्री ए.के. शर्मा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वर्षा काल को देखते हुए जिन-जिन क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो रही है, वहां युद्धस्तर पर अभियान चलाकर जल निकासी सुनिश्चित की जाए। नालों और नालियों की नियमित सफाई कराई जाए तथा जल निकासी में किसी भी प्रकार की बाधा न आने पाए।उन्होंने कहा कि बारिश के दौरान जलभराव के कारण आमजन को आवागमन अथवा दैनिक कार्यों में किसी भी दशा में परेशानी का सामना न करना पड़े। इसके लिए नगर निगम एवं संबंधित विभागों के अधिकारी क्षेत्र में लगातार भ्रमण कर स्थिति की निगरानी करें और आवश्यकता के अनुसार तत्काल कार्रवाई करें।

मंत्री श्री शर्मा ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि जलभराव की स्थिति में तत्काल प्रभावी कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वे स्वयं पुनः इन क्षेत्रों का निरीक्षण करेंगे। यदि दोबारा निरीक्षण के दौरान जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं पाई गई और लापरवाही सामने आई, तो संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय करते हुए उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों में नागरिकों को बेहतर एवं सुचारु सुविधाएं उपलब्ध हों।

लखनऊ में 17 साल के लड़के को लात घूसों से पीटा

लखनऊ। लखनऊ में आपसी विवाद के दौरान वहां खड़े 17 साल के लड़के को कुछ युवकों ने बेरहमी से पीट दिया। आरोप है कि किशोर का विवाद से कोई लेना-देना नहीं था। घटना के बाद उसके पिता ने ठाकुरगंज थाने में आरोपियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। जिसका वीडियो अब सामने आया है। गढ़ी पीर खां बाबा हजाराबाग निवासी मोहम्मद इनाम खान ने पुलिस को बताया कि 2 सितंबर को दोपहर करीब 2 बजे सिटी मॉन्टेसरी स्कूल, हरदोई रोड के गेट के सामने असद अब्बास और अब्दुल्ला के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो रहा था। इसी दौरान उनका बेटा मोहम्मद अयान खान भी वहां खड़ा था। आरोप है कि जमन, अली हमजा और कुमैल समेत अन्य लोगों ने अयान को गालियां देना शुरू कर दिया। उसने विरोध किया तो आरोपियों ने उसे जमीन पर गिराकर लात-घूंसों से पीटा। मारपीट में अयान को चोटें आईं।

जांच : योगी सरकार में हॉट कुक्ड मील योजना से बदली बच्चों के पोषण की तस्वीर

आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों की थाली में गर्म भोजन

- 32.88 लाख नौनिहालों को सीधा लाभ
- गुणवत्ता और स्वच्छता की भी नियमित जांच
- हर दिन अलग प्रकार के व्यंजन, भोजन में पौष्टिकता का ध्यान

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के आंगनबाड़ी केंद्रों पर आने वाले नौनिहालों की थाली केवल राशन तक सीमित नहीं है। सक्षम आंगनबाड़ी एवं पोषण-2.0 की गाइडलाइन के तहत संचालित हॉट कुक्ड मील योजना के जरिए 3 से 6 वर्ष तक के बच्चों को नियमित रूप से ताजा, गर्म और पौष्टिक पका हुआ भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में करीब 1.45 लाख को-लोकेटेड और 0.44 लाख नॉन-को-लोकेटेड आंगनबाड़ी केंद्रों पर आने वाले लगभग 32.88 लाख बच्चे इस व्यवस्था का लाभ ले रहे हैं।

योगी सरकार में बच्चों को भोजन परोसने से पहले उसकी गुणवत्ता और स्वच्छता सुनिश्चित करने की व्यवस्था की गई है। कोटेदार से मिलने वाला खाद्यान्न उत्तम गुणवत्ता का होना जरूरी है। खाना बनाने से पहले अनाज की अच्छी तरह सफाई और हरी सब्जियों को दो से तीन बार पानी से धोने की व्यवस्था है। भोजन परोसने से पहले रोस्टर के आधार पर कम से कम दो वयस्क जैसे शिक्षक, रसोइया या माता समिति के सदस्य भोजन के स्वाद और गुणवत्ता की जांच करते हैं।

हर दिन अलग मेन्यू, भोजन में पौष्टिकता का ध्यान

बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग की ओर से तय साप्ताहिक मेन्यू के अनुसार, बच्चों को अलग-अलग दिन रोटी-सब्जी, चावल-दाल, मौसमी सब्जियों से तैयार तहरी समेत अन्य पौष्टिक भोजन दिया जाता है। प्रत्येक बच्चे के लिए प्रतिदिन 70 ग्राम खाद्यान्न से भोजन तैयार किया जाता है। गर्म भोजन मिलने से बच्चों के पोषण स्तर में सुधार के साथ कम उम्र से ही संतुलित आहार की आदत विकसित करने पर भी जोर दिया जा रहा है।

दोनों पैर में गोली मारकर पकड़ा, धमाके में अब तक 14 की मौत, बुलडोजर चलाकर आदिल का घर भी ढहाया गया

कौशांबी विस्फोट: पटाखा फैक्ट्री मालिक के बेटे का एनकाउंटर

कार्रवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

कौशांबी/प्रयागराज । कौशांबी की अवैध पटाखा फैक्ट्री के मालिक के बेटे आदिल (18) को पुलिस ने एनकाउंटर में गिरफ्तार कर लिया। उसके दोनों पैरों में गोली लगी है। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस के मुताबिक, बुधवार रात करीब 2 बजे आदिल की घेराबंदी की। उसे रोकने की कोशिश की।

आदिल बाइक मोड़कर भागने लगा। इसी दौरान बाइक फिसल गई। उसने पुलिस पर फायरिंग कर दी। दो राउंड फायर किए। जवाबी फायरिंग में उसे गोली लग गई। पुलिस ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया।

मकान गिराने की यह कार्रवाई पीडीए के अफसरों और कौशांबी पुलिस की संयुक्त टीम ने की। मंगलवार शाम 6 बजे बुलडोजर एक्शन शुरू हुआ। बुधवार तड़के 5 बजे पूरा मकान जमींदोज कर दिया गया। पीडीए के जोनल अधिकारी गंगेश कुमार सिंह ने बताया- बेसमेंट और ग्राउंड फ्लोर पर व्यावसायिक गतिविध चल रही थी, जबकि ऊपर के 2 फ्लोर पर लोग रह रहे थे। फैक्ट्री

11 घंटे तक बुलडोजर चलाकर गिराया था आदिल का मकान

मंगलवार शाम को मुख्य आरोपी पटाखा फैक्ट्री के मालिक नौशाल के बेटे आदिल का 3 मंजिला घर 11 घंटे बुलडोजर चलाकर तोड़ दिया गया। 72 वर्गगज के इस घर में बेसमेंट के साथ 3 फ्लोर बने थे। घर का प्रयागराज विकास प्राधिकरण से नक्शा पास नहीं कराया गया था।

पटाखा फैक्ट्री विस्फोट में अब तक 9 बच्चों समेत 14 की मौत हो चुकी है। मंगलवार तड़के पुलिस ने आदिल के पिता और फैक्ट्री मालिक नौशाद (50) को एनकाउंटर के बाद अरेस्ट किया था। वह शहर छोड़कर भागने की फिराक में था। इसके अलावा, मंगलवार रात बुलडोजर चलाकर आदिल का घर भी ढहा दिया गया।

प्रयागराज में मनौरी एयरफोर्स स्टेशन से करीब 2 किलोमीटर दूर चल रही थी। सोमवार दोपहर 11.30 बजे फैक्ट्री में भीषण विस्फोट हुआ था। इसमें आसपास के 3 मकान जमींदोज हो गए। 5 मकान टूट गए। हादसे वाले दिन ही प्रशासन ने एक्शन लेते हुए रात साढ़े 7 बजे फैक्ट्री

मंगलवार रातभर बुलडोजर चलाकर प्रशासन ने आरोपी आदिल का मकान ढहा दिया था।

पुलिस से बोला- पैसे कमाने के लिए विस्फोटक सामग्री बनाता था

पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में आदिल ने अपनी गलती स्वीकार की। उसने बताया कि वह अपने साथियों के साथ मिलकर पैसे कमाने के लिए अवैध पटाखे और विस्फोटक सामग्री बनाता था। इसके लिए महमूदपुर मनौरी पावर हाउस के पास बने एक गोदाम का इस्तेमाल किया जाता था। 31 अगस्त को सुबह करीब 11 बजे इसी गोदाम में रखे पटाखों और बारूद में अचानक विस्फोट हो गया था। पुलिस ने बताया कि आदिल के पास से 315 बोर का अवैध तमंचा, जिंदा कारतूस और तीन खोखे बरामद किए गए हैं। उसकी बाइक को भी कब्जे में ले लिया गया है।

से 400 मीटर दूर बनाए नौशाद के पटाखा गोदाम को बुलडोजर से ढहा दिया था। मामले में लापरवाही बरतने पर एक इंस्पेक्टर, 6 दरोगा समेत 9 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया था।

योगी सरकार के निर्देशन में आमजन के लिए राहत भरा कदम

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास विभाग आमजन को मात्र 52 रुपये प्रति किलो की दर से चीनी उपलब्ध करा रहा है। उपभोक्ता लाल बहादुर शास्त्री गन्ना किसान संस्थान परिसर में स्थित चीनी निगम/सहकारी चीनी मिल संघ के चीनी विक्रय केन्द्र से उक्त दर पर चीनी खरीद का लाभ उठा सकते हैं। 01 एवं 02 किलो के पैकेट क्रमशः 52 व 102 रू. हैं। 05 किलो, 50 किलो के पैकेट का मूल्य क्रमशः 250 व 2500 रुपये रखा गया है।

विभाग के अनुसार, चीनी की यह विशेष बिक्री प्रत्येक कार्यदिवस में नियमित रूप से संचालित होगी। आम नागरिक सुबह 10 से सायं 5 बजे तक गन्ना किसान संस्थान परिसर में चीनी बिक्री केंद्र पर जाकर इस सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। बिक्री केंद्र पर उपभोक्ताओं की सुविधा और सुगम

- गन्ना किसान संस्थान परिसर में आमजन के लिए 52 रुपये किलो चीनी उपलब्ध
- दैनिक आवश्यकता के अनुसार प्रत्येक कार्यदिवस में सुबह 10 से सायं 5 बजे तक खरीद सकते हैं चीनी

खरीदारी के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। उपभोक्ता अपनी दैनिक आवश्यकता के अनुसार चीनी की खरीदारी कर सकते हैं।

फास्ट न्यूज

कानपुर में महिला का शव फंदे से लटका मिला

कानपुर । कानपुर के सेन पश्चिमपारा में बुधवार को 25 साल की महिला प्राची सिंह का शव फंदे से लटका मिला। पड़ोसियों से जानकारी मिलने के बाद मायके वाले ससुराल पहुंचे। परिजनों ने ससुरालीजनों पर दहेज में कार और रुपए की मांग पूरी न होने पर प्राची की हत्या कर शव फंदे से लटकाने का आरोप लगाया। हंगामे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और कार्रवाई का आश्वासन देकर परिजनों को शांत कराया।

कानपुर में गंगा किनारे बने अपार्टमेंट की बाउंड्री ढही

कानपुर। कानपुर में लगातार बारिश के चलते गुरुवार को जाजमऊ मक्कू शईद भट्ठे के पास गंगा किनारे बने अपार्टमेंट की बाउंड्री मिट्टी दरकने से ढह गई। इतना ही नहीं गंगा किनारे बने 40 से ज्यादा फ्लैट वाली इस बिल्डिंग में भी दरारे आ गई हैं। इसके बाद से अपार्टमेंट में रहने वाले 40 से ज्यादा परिवारों के बीच दहशत और डर का माहौल है।

लगातार गंगा किनारे मिट्टी की कटान से अब यह अपार्टमेंट भी खतरे की जद में आ गया है। इतना सब होने के बाद भी अपार्टमेंट में रहने वाले लोग चुप्पी साधे हुए हैं।

आगरा में पिता ने की बेटी की हत्या

आगरा। आगरा में अफेयर से नाराज पिता ने अपनी बेटी की लोहे के हथियार से हमला कर हत्या कर दी। पिता ने बेटी के सिर और गले पर कई हमले किए, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद पिता ने खुद पुलिस को सूचना दी। इस पर पुलिस फोर्स के साथ एसीपी भी मौके पर पहुंचे और जांच की।

पिता को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है।

विधायक पति का शव देखकर पत्नी बदहवास, लिपटकर रोईं

बुलंदशहर में भाजपा विधायक अनिल शर्मा पंचतत्व में विलीन

तमसा संकेत, एजेंसी

बुलंदशहर । बुलंदशहर के शिकारपुर से भाजपा विधायक और पूर्व मंत्री अनिल शर्मा का गुरुवार को उनके पैतृक गांव सुरजावली में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। करीब 12 बजे उनके बेटे कुश शर्मा ने उन्हें मुखाग्नि दी। अंतिम संस्कार से पहले पुलिस जवानों ने उन्हें सलामी दी।

इससे पहले बुधवार देर रात अनिल शर्मा का पार्थिव शरीर तिरंगे में लपेटकर गांव लाया गया था। शव घर पहुंचते ही कोहराम मच गया। पत्नी मूर्ति देवी शव से लिपटकर रोते हुए बदहवास हो गईं। बेटी जूही का रो-रोकर बुरा हाल था। परिवार और पड़ोस की महिलाएं उनको संभालती रहीं। प्रभारी मंत्री सुरेंद्र दिलेर, डीएम

और एसपी पार्थिव शरीर के साथ गांव पहुंचे थे। सुबह अंतिम दर्शन के लिए पार्थिव शरीर रखा गया, जहां हजारों लोगों ने नम आंखों से उन्हें श्रद्धांजलि दी। मंत्री जयवीर सिंह, सांसद सुरेंद्र नागर, सांसद भोला सिंह, विधायक मीनाक्षी सिंह, देवेंद्र लोधी, संजय शर्मा, सीपी सिंह और लक्ष्मीराज सिंह सहित कई जनप्रति-निधियों ने भी श्रद्धांजलि दी।

बुधवार दोपहर करीब 12 बजे दिल्ली के मैक्स अस्पताल में 63 वर्षीय अनिल शर्मा का निधन हुआ था। वे वर्ष 2023 से कैंसर से जूझ रहे थे और दिल्ली में उनका इलाज चल रहा था। अनिल शर्मा शिकारपुर विधानसभा सीट से चार बार विधायक रहे। योगी आदित्यनाथ सरकार के पहले कार्यकाल में उन्हें राज्य मंत्री (वन एवं पर्यावरण) की जिम्मेदारी मिली थी। लंबे राजनीतिक जीवन के कारण क्षेत्र में उनके समर्थकों की बड़ी संख्या थी।

बेटे कुश शर्मा ने उन्हें मुखाग्नि दी, जिसके साथ ही पूर्व मंत्री अनिल शर्मा पंचतत्व में विलीन हो गए। अंतिम संस्कार के दौरान हजारों की संख्या में समर्थक मौजूद रहे।

पूर्व मंत्री अनिल शर्मा को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम सलामी दी गई।

रंग-बिरंगी रोशनी से जगमग हुए मंदिर, चौराहों पर बने सेल्फी पॉइंट

जन्माष्टमी से पहले दुल्हन की तरह सजा मथुरा-वृंदावन

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा । भगवान श्रीकृष्ण के 5253वें जन्मोत्सव को लेकर मथुरा-वृंदावन पूरी तरह तैयार है। मथुरा-वृंदावन को दुल्हन की तरह सजाया गया है।

प्रमुख रास्तों, तिराहों और चौराहों पर रंग-बिरंगी लाइटें लगाई गई हैं। मंदिरों को आकर्षक तरीके से सजाया गया है। श्रीकृष्ण जन्मस्थान से लेकर शहर की दीवारों तक हर जगह कृष्ण भक्ति की झलक दिखाई दे रही है।

श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान ने जन्मभूमि को बेहद आकर्षक ढंग से सजाया है। पूरा परिसर दुल्हन की तरह नजर आ रहा है। यहां राधारानी और भगवान कृष्ण के भजन लगातार गूंज रहे हैं। श्रद्धालु जयकारे लगा रहे

हैं और मध्यरात्रि में होने वाले भगवान कृष्ण के प्राकट्य उत्सव का इंतजार कर रहे हैं। जन्मोत्सव को लेकर जिला प्रशासन और नगर निगम ने भी तैयारियां पूरी कर ली हैं। नगर निगम मथुरा-वृंदावन की ओर से करीब 25 प्रमुख तिराहों और चौराहों को आकर्षक ढंग से सजाया गया है। यहां रंग-बिरंगी लाइटिंग, फसाड लाइट और रंगीन कपड़ों से सजावट की गई है। रात में रोशनी से जगमगाते चौराहे श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। श्रद्धालुओं के लिए शहर के प्रमुख

श्रीकृष्ण जन्मस्थान मंदिर परिसर में भव्य सजावट की गई है

रंग-बिरंगी रोशनी में नहाया श्रीकृष्ण जन्मस्थान

श्रीकृष्ण जन्मस्थान मंदिर परिसर में भव्य सजावट की गई है। रंग-बिरंगी रोशनी से पूरा परिसर जगमगा रहा है। भागवत भवन, गर्भगृह मंदिर, योगमाया मंदिर, केशवदेव मंदिर, लीलामंच और सभी गेटों को सजाया गया है।

शुक्रवार रात 12 बजे भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव पूरे उल्लास के साथ मनाया जाएगा। इसे लेकर मंदिर परिसर के हर हिस्से को सजाया-संवारा गया है।

स्थानों और चौराहों पर सेल्फी प्वाइंट भी बनाए गए हैं। इनमें भगवान श्रीकृष्ण की अलग-अलग लीलाओं को दर्शाया गया है।

बुजुर्ग सीट से खड़े होकर खुशी से नाचे, सहारनपुर में बोले- योगी किसानों के लिए नरम

रैली में पहली बार जयंत पत्नी-बेटी संग पहुंचे

तमसा संकेत, एजेंसी

सहारनपुर। सहारनपुर में गुरुवार को रालोद की स्वाभिमान रैली हुई। रैली में पहली बार जयंत पत्नी चारू चौधरी और बेटी सायरा के साथ पहुंचे। चारू चौधरी लाल रंग की काले बॉर्डर वाली साड़ी में, जबकि बेटी गुलाबी और नारंगी रंग के सूट में नजर आई।

जयंत के परिवार के साथ पहुंचते ही कार्यकर्ताओं में उत्साह बढ़ गया। समर्थकों ने नारे लगाकर उनका स्वागत किया। पंडाल में स्वागत गीत बजाए गए। इसी दौरान एक बुजुर्ग अपनी सीट से खड़े हो गए और खुशी से नाचने लगे।

रैली को संबोधित करने के दौरान

कार्यकर्ताओं ने जयंत चौधरी को फूलों का हार पहनाकर स्वागत किया।

जयंत चौधरी ने सपा और विपक्ष पर जमकर हमला बोला। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जिक्र करते हुए कहा कि सत्ता और व्यवस्था के खिलाफ खड़े होने वालों के लिए योगी बेहद सख्त हैं। लेकिन, किसान के लिए उनका दिल बेहद नरम

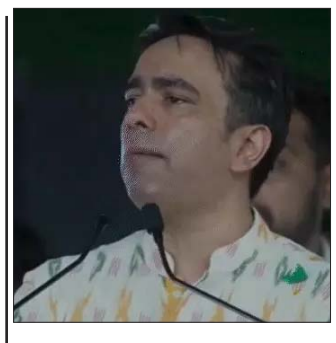

गन्ने में विपक्ष को रसगुल्ला दिखाई दे रहा है

गन्ने के मुद्दे पर जयंत ने विपक्ष को घेरा। कहा- विपक्ष में रहकर ऐसी बातें कही जाती हैं, जिनसे 4 वोट ज्यादा मिल जाएं। लेकिन, गन्ने के मुद्दे पर बात करने को वे तैयार नहीं हैं। इसका कारण शायद यह है कि उन्हें अभी भी रसगुल्ला दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि वह इस मुद्दे पर विपक्ष को चिट्ठी भी लिखेंगे। अगर वे राजी हुए तो एक अच्छा रसगुल्ले का पैकेट लखनऊ भी भेजेंगे।

है। जब विधायक गन्ने के रेट और किसानों से जुड़े मुद्दों को लेकर

गोचर कृषि इंटर कॉलेज मैदान में हुई रैली के लिए बड़ा पंडाल लगाया गया। 7 से 8 हजार लोग रैली स्थल पर मौजूद रहे।

समाजवादी अब चौधरी अजित सिंह का विरोध करने लगे

जयंत ने कहा- किसानों और किसानी का विरोध करते-करते समाजवादी लोग अब चौधरी अजित सिंह का भी विरोध करने लगे हैं। किसान को यह पहचानने की जरूरत है कि उसका हिमायती और पक्षधर कौन है। किसान बहुमत में है। उसके बल पर सरकारें बनती-बिगड़ती हैं। लेकिन, देश की कठोर हकीकत यह है कि राजनीतिक गलियारों में किसान की लॉबी कमजोर है। यही वजह है कि किसान को अपना वकील मजबूत चुनना होगा।

मुख्यमंत्री से मिलते हैं, तो वह कहते हैं कि 'मैं भी किसान हूं।'

वहीं, पूर्व विधायक मलूक नागर ने भी सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधा। कहा- चवन्नी, अठन्नी और रुपए की बात छोड़िए। सपा प्रदेश अध्यक्ष तो दो कौड़ी के अध्यक्ष हैं।

घर के बाहर युवक की गोली मारकर हत्या

पंचायत चुनाव की रंजिश में वारदात

तमसा संकेत, एजेंसी

बिल्हौर। कानपुर में 26 साल के एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। बुधवार रात करीब 10:30 बजे युवक अपने घर के बाहर खड़ा था। इसी दौरान 4 हमलावर वहां पहुंचे और उस पर फायरिंग कर दी। युवक के सीने और बाएं हाथ में गोली लगी और वह जमीन पर गिर पड़ा।

फायरिंग की आवाज सुनकर परिजन बाहर पहुंचे, लेकिन तब तक हमलावर भाग चुके थे। परिजन उसे तुरंत अस्पताल लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

घटना चौबेपुर थाना क्षेत्र के वाजिदपुर गांव की है। पुलिस के मुताबिक, पंचायत चुनाव को लेकर दोनों पक्षों में पुरानी रंजिश चल रही है। घटना से करीब 6 घंटे पहले युवक के बड़े भाई पर भी

दूसरे पक्ष के लोगों ने लाठी-डंडों से हमला किया था। पुलिस ने 2 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक आरोपी की तलाश की जा रही है।

वाजिदपुर ग्राम पंचायत के चिंतापुरवा गांव निवासी गिरिजा शंकर निषाद पुत्र शिवकुमार निषाद लोडर चलाते थे। परिवार में उनके 5 भाई और माता-पिता हैं। बड़े भाई रामनरेश निषाद मछली पालन का काम करते हैं। पुलिस के मुताबिक, बुधवार रात करीब 9 बजे गिरिजा शंकर लोडर लेकर घर पहुंचे थे।

पृष्ठ 01 का शेष...

'अब त्योहारों पर...

वहीं श्री स्वामी हरिदास प्रेक्षागृह का लोकार्पण किया।

16 जून 2016 के जवाहर बाग कांड याद है। मथुरा में उस समय किस तरह का उपद्रव और अराजकता थी, यह सभी ने देखा था। इस घटना में 29 लोगों की जान गई थी और पुलिस के दो जवान भी मारे गए थे। आज हालात बदल चुके हैं। प्रदेश में अपराध पर प्रभावी अंकुश लगाया गया है और कानून-व्यवस्था को मजबूत किया गया है।

कोई भी राष्ट्र अपनी स्मृति, संस्कृति और अपनी जड़ों से मजबूत होता है। जिस समाज को अपनी जड़ों की जानकारी नहीं होती, वह आधुनिकता के नाम पर दूसरों की नकल करने लगता है। लेकिन जिसे अपनी विरासत का बोध होता है, वह दुनिया से सीखता भी है और दुनिया को सिखाता भी है। भारत का इतिहास केवल उपलब्धियों का इतिहास नहीं है, बल्कि यह संघर्षों का भी इतिहास है।

सीएम योगी बोले- पहले उत्सव से पहले उपद्रव की आशंका रहती थी, आज उपद्रव से पहले व्यवस्था की बात होती है। यही बदलाव उत्तर प्रदेश में आया है।

राज्य स्मार्ट सिटी योजना के तहत मथुरा-वृंदावन के कायाकल्प का काम आगे बढ़ रहा है। पिछले आठ वर्षों में ब्रज तीर्थ विकास परिषद ने करीब एक हजार करोड़ रुपए की लागत से कई विकास कार्य पूरे किए हैं। राष्ट्र अपनी स्मृति से महान बनता है, अपनी संस्कृति से महान बनता है और अपनी जड़ों को तलाशने से महान बनता है। जिस समाज को अपनी जड़ों का ज्ञान नहीं होता, वह आधुनिकता को भी दूसरों की नकल समझ लेता है।

बाढ़ के स्थायी...

अस्पतालों में एंटी स्नेक वेनम, एंटी रैबीज व अन्य दवाएं उपलब्ध

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस सीजन में सांप, बिच्छू व अन्य विषैले कीड़ों का भय रहता है। सरकार ने पहले ही सीएचसी, जिला अस्पतालों आदि में एंटी स्नेक वेनम, एंटी रैबीज व पर्याप्त दवाओं की व्यवस्था की है। जिन क्षेत्रों में पानी घुस गया है, वहां पशुओं के चारे, वैक्सीन, दवा आदि की भी व्यवस्था है। जनप्रति-निधि व फील्ड में तैनात टीम लगातार जनसेवा कर रही है।

400 एकड़ में सिटी...

'परंपरा भी और परिवर्तन भी'-हम परंपरा के साथ आधुनिकता को भी जोड़ रहे हैं। आज अयोध्या हो, काशी हो, मथुरा-वृंदावन हो, बरसाना, गोवर्धन, नंदगांव और बलदेव जैसे तीर्थ हों या विंध्याचल-हम सभी तीर्थस्थलों के विकास के साथ उनकी विरासत, संस्कृति और आस्था को संरक्षित करने का काम कर रहे हैं।

बाढ़ की समस्या का...

नदी के चैनलाइज होने से फसल बचेगी और स्थानीय लोगों को भी राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री ने गुरुवार को हवाई सर्वेक्षण कर फर्रुखाबाद की बाढ़ प्रभावित सदर, कायमगंज व अमृतपुर तहसीलों में बाढ़ के हालात देखे। इसके पश्चात पुलिस लाइन में 1000 परिवारों को बाढ़ राहत सामग्री का वितरण किया गया। मुख्यमंत्री ने अपने हाथों से कई परिवारों को राहत सामग्री, आश्रयहीन परिवारों को भूमि आवंटन प्रमाण पत्र तथा आपदा मोचक निधि से राहत राशि भी दी। उन्होंने पीड़ित परिवारों से संवाद कर उनका दुख साझा किया और विश्वास दिलाया कि सरकार हर दुख-दर्द में आपके साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री ने प्रशासन, पीडब्ल्यू समेत संबंधित विभागों को बाढ़ का पानी उतरते ही टूटी सड़कों का तत्काल निर्माण शुरू करने का निर्देश भी दिया।

बेटी के बयान के...

इसके बावजूद उन्हें हटाने की सिफारिश से पहले उनसे सलाह क्यों नहीं ली गई, यह समझ से परे है। रेवंत रेड्डी ने दिल्ली दौरे के दौरान कांग्रेस के AICC महासचिव केसी वेणुगोपाल के सामने भी यह मुद्दा उठाया और सुरेखा के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। कांग्रेस हाईकमान जब अनुशासनात्मक कार्रवाई पर विचार कर रहा था, तब सुरेखा बुधवार को दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से भी मिली थीं।

अखिलेश यादव से...

संभावना जताई जा रही है कि अखिलेश यादव ने आशुतोष से छात्रों से जुड़े मुद्दे, जेन-जी और जेन अल्फा को लेकर चर्चा की है। दोनों के बीच शिक्षा से जुड़े मुद्दों को उठाने पर सहमति बनी है।

राजस्थान में बीते महीने जब स्कूल ठीक करो अभियान के दौरान आशुतोष रांका पर हमला हुआ था, उस वक्त भी अखिलेश ने मुखरता के साथ ये मुद्दा उठाया था।

25 जुलाई को धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद जंतर-मंतर से आशुतोष रांका ने यूपी सरकार को चेतावनी दी थी। प्रदर्शन खत्म होने के बाद आशुतोष रांका ने कहा था- ''अगर उत्तर प्रदेश में पेपर लीक की घटनाएं नहीं रुकीं, तो वहां इससे भी बड़ा आंदोलन होगा।''

'जोरावर टैंक से...

भारत और बेल्जियम के बीच रक्षा सहयोग के बीच मोदी ने खास तौर पर जोरावर टैंक परियोजना का जिक्र किया और कहा कि दोनों देश इस परियोजना पर मिलकर काम कर रहे हैं और इससे दोनों देशों का रिश्ता और मजबूत होगा। पीएम मोदी ने इसके साथ ही रक्षा क्षेत्र में सहयोग का दायरा और बढ़ाने पर भी जोर दिया। बता दें कि भारत लगातार अपने रक्षा उत्पादन को मजबूत करने के लिए विदेशी तकनीक और घरेलू क्षमता के बीच बेहतर तालमेल पर जोर दे रहा है और ऐसे में बेल्जियम के साथ रक्षा तकनीक और औद्योगिक सहयोग काफी महत्वपूर्ण हो सकता है।

बिहार में गंगा खतरे...

कालका-शिमला फोरलेन पर भारी मलबा गिर गया। इससे कई गाड़ियां रातभर फंसी रहीं।

यूपी में लगातार बारिश से 23 जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। अब तक 16 हजार से अधिक लोगों को बाढ़ से रेस्क्यू किया गया है। काशी में गंगा-वरुणा का पानी अब घरों में घुसने लगा है। सड़कों पर नाव चल रही है। अब तक 407 परिवार घर छोड़ चुके हैं। सभी 84 घाट डूबे हुए हैं। मणिकर्णिका घाट पर छत पर अंतिम संस्कार हो रहा है।

ओडिशा के उत्तर इलाके में बाढ़ से 373 गांव प्रभावित हैं। प्रशासन ने प्रभावित लोगों को राहत शिविरों में पहुंचाया है और बचाव दल तैनात किए हैं। अधिकारियों के मुताबिक, सुवर्णरेखा नदी बालासोर जिले के भोगराई, बालीपाल, बस्ता, रेमुना और जलेश्वर ब्लॉक के 214 गांवों में बाढ़ का पानी भरने के बाद खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। हालांकि, नदी का जलस्तर अब घट रहा है।

ओपी राजभर ने...

इसके मुकाबले अब तक 689 इंस्टॉलेशन हो चुके हैं। यह लक्ष्य का 119 प्रतिशत है। एकीकृत बागवानी विकास मिशन में 3,279 आवेदन आए हैं। इनमें 517 आवेदन स्वीकृत किए जा चुके हैं। इस योजना में जिला प्रदेश में पहले स्थान पर है।

ड्रॉप मोर क्रॉप माइक्रो इरिगेशन योजना के तहत प्राप्त सभी 22 आवेदनों को भी स्वीकृति मिल चुकी है।

ग्रामीण अभियंत्रण विभाग की समीक्षा में 12 स्वीकृत ग्रामीण भवन निर्माण कार्यों में छह के लक्ष्य के मुकाबले सात कार्य पूरे होने की जानकारी दी गई।

ग्रामीण सड़कों के 61 स्वीकृत कार्यों में पिछले माह तक 11 कार्य पूरे किए जाने थे। इसके सापेक्ष अब तक 17 कार्य पूरे हो चुके हैं।

सभी राज्य बाइक...

इसके लिए मोटर व्हीकल एक्ट में बदलाव कर ड्राइवरों के लिए नेगेटिव पॉइंट सिस्टम लागू करने का प्रस्ताव है।

गडकरी ने भारी वाहन और निर्माण उपकरण चलाने वाले ड्राइवरों की अनिवार्य ट्रेनिंग पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अभी ऐसी कोई जरूरी व्यवस्था नहीं है। उन्होंने JCB India जैसी कंपनियों से उपकरण देने से पहले ड्राइवरों को ट्रेनिंग देने की अपील की।

टीम इंडिया के प्रदर्शन पर रिव्यू मीटिंग होगी, वनडे वर्ल्डकप 2027 पर भी चर्चा हो सकती है

गिल, श्रेयस, गंभीर और लक्ष्मण बीसीसीआई हेडक्वार्टर पहुंचे

बैठक में भारतीय टीम के हालिया प्रदर्शन की समीक्षा होगी, जबकि वनडे वर्ल्ड कप 2027 की तैयारियों पर भी चर्चा हो सकती है।

चर्चा

- अफगानिस्तान के खिलाफ टी-20 सीरीज खेलेगा भारत

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल और टी-20 कप्तान श्रेयस अय्यर गुरुवार को रिव्यू मीटिंग के लिए मुंबई स्थित BCCI हेडक्वार्टर पहुंचे। उनके साथ हेड कोच गौतम गंभीर और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (CoE) हेड वीवीएस लक्ष्मण भी पहुंचे।

कई रिपोर्टों के अनुसार, यह रिव्यू मीटिंग पहले आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के बाद होनी थी, लेकिन श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों के दौरे के कारण इसमें देरी हुई। BCCI सचिव देवजीत सैकिया और अध्यक्ष मिथुन मन्हास भी बैठक में शामिल हैं। अब भारत को अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 सीरीज खेलनी है। श्रेयस अय्यर टीम की कप्तानी करेंगे, जबकि तिलक वर्मा को उप-कप्तान बनाया गया है।

स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की टीम में वापसी हुई है, हालांकि उनका खेलना फिटनेस क्लीयरेंस पर निर्भर करेगा। नीतीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर और हर्षित राणा को भी टीम में जगह मिली है।

अफगानिस्तान के खिलाफ बुमराह टीम में शामिल

बुमराह ने अपना आखिरी इंटरनेशनल मैच 16 जुलाई को कार्डिफ में इंग्लैंड के खिलाफ खेला था। इसके बाद उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी वनडे से बाहर कर दिया गया था। BCCI ने बताया था कि उन्हें कार्डिफ में फील्डिंग के दौरान चोट लगी थी। इसके चलते वह श्रीलंका के खिलाफ भारत की टेस्ट सीरीज में भी नहीं खेल सके थे, जिसे भारत ने 1-0 से जीता था।

मीटिंग के लिए जाते वीवीएस लक्ष्मण और BCCI सचिव देवजीत सैकिया।

भारत लगातार दो टी-20 सीरीज हारा

डिफेंडिंग टी-20 वर्ल्ड कप चैंपियन भारत को जून में आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की टी-20 सीरीज में 2-0 से हार मिली थी। इसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 सीरीज में भी भारत 4-0 से हार गया। नॉटिंघम में टीम को 125 रन से हार मिली, जो सीरीज में उसकी सबसे बड़ी हार थी। इन दोनों सीरीज में श्रेयस अय्यर भारत के कप्तान थे। इसके बाद शुभमन गिल की कप्तानी में भारत इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज भी 2-1 से हार गया।

इंदौर में भारत-वेस्टइंडीज टी20 के टिकट ऑनलाइन मिलेंगे

कीमत 1,000 से 12,500 रुपए तक

नई दिल्ली। भारत और वेस्टइंडीज के बीच 11 अक्टूबर को इंदौर के होलकर स्टेडियम में होने वाले टी-20 इंटरनेशनल मैच के टिकट की कीमतें तय कर दी गई हैं। मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (MPCA) ने बुधवार को टिकटों के रेट जारी किए।

आम दर्शकों के लिए सबसे सस्ता टिकट 1,000, जबकि सबसे महंगा पैवेलियन टिकट 12,500 का होगा। मैच के सभी टिकट सिर्फ ऑनलाइन मिलेंगे। अन्य कैटेगरी के टिकटों के रेट भी जारी किए जाएंगे।

MPCA ने मैच के लिए जोमैटो को आधिकारिक ऑनलाइन टिकटिंग पार्टनर बनाया है। टिकटों की बिक्री सिर्फ ऑनलाइन होगी। स्टेडियम के काउंटर से ऑफलाइन टिकट नहीं मिलेंगे। टिकटों की खरीद की सीमा भी तय की गई है। एक व्यक्ति अधिकतम 4 टिकट खरीद सकेगा। ये टिकट एक ही कैटेगरी के या अलग-अलग कैटेगरी के हो सकते हैं। होलकर स्टेडियम में आखिरी इंटरनेशनल मैच 18 जनवरी 2026 को भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीसरा वनडे खेला गया था। इस मुकाबले में न्यूजीलैंड ने भारत को 41 रन से हराया था। इस जीत के साथ न्यूजीलैंड ने पहली बार भारत में वनडे सीरीज अपने नाम की थी।

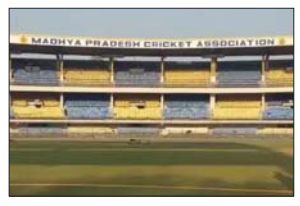

होलकर स्टेडियम में आखिरी इंटरनेशनल मैच 18 जनवरी 2026 को भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीसरा वनडे खेला गया था। इस मुकाबले में न्यूजीलैंड ने भारत को 41 रन से हराया था। इस जीत के साथ न्यूजीलैंड ने पहली बार भारत में वनडे सीरीज अपने नाम की थी।

इमाम-उल-हक पर 2 साल का बैन लग सकता है

लॉर्ड्स टेस्ट में हुई इंजरी की पीसीबी जांच कराएगा, रिजवान भी घेरे में

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के बल्लेबाज इमाम-उल-हक पर लॉर्ड्स टेस्ट में इंजरी को लेकर 1 से 2 साल तक का बैन लग सकता है।

जियो न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड उनकी पिंडली की चोट से जुड़े मामले की जांच के लिए कमेटी बनाने की तैयारी में है। जांच में अगर इमाम दोषी पाए जाते हैं तो उन पर 1 से 2 साल का बैन लगाया जा सकता है। इमाम को इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट के पहले दिन फील्डिंग के दौरान पिंडली में हल्का खिंचाव आया था। इसके बाद वे पाकिस्तान की दोनों पारियों में बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरे। पाकिस्तान पहली पारी में 110 रन पर ऑलआउट हुआ था, जबकि दूसरी पारी में 389 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 194 रन पर सिमट गया। इंग्लैंड ने यह टेस्ट 194 रन से जीता था। इमाम की चोट और इसके बाद उनकी अनुपलब्धता को लेकर PCB ने जांच कराने का फैसला किया है। इमाम पहले भी चोट से जुड़े विवाद में रह चुके हैं। मार्च 2025 में न्यूजीलैंड दौरे के दौरान इंडोर नेट सेशन में गेंद उनके दाहिने पैर के अंगूठे पर लगी थी। जियो न्यूज के मुताबिक, उस मामले की PCB जांच समिति ने इमाम को मेडिकल स्टाफ को गुमराह करने और चोट के लक्षणों को गलत तरीके से पेश करने के लिए जिम्मेदार ठहराया था। समिति ने माना था कि इमाम ने पाकिस्तान के पहले वनडे में नहीं खेलने के लिए अपनी चोट को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया था।

इमाम के अलावा विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान भी अनुशासन से जुड़े मामले में PCB की जांच के घेरे में हैं। जियो न्यूज के सूत्रों के मुताबिक, बोर्ड आने वाले दिनों में रिजवान से पूछताछ कर सकता है

53 मिनट में जीतीं, पेगुला-मेदवेदेव और अल्काराज भी तीसरे राउंड में पहुंचे

सबालेंका की यूएस ओपन में लगातार 16वीं जीत

नई दिल्ली, एजेंसी

न्यूयॉर्क के फ्लशिंग मीडोज में खेले जा रहे US ओपन 2026 में दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने महिला सिंगल्स के दूसरे राउंड में रूस की क्वालिफायर पोलिना यात्चेंको को 6-1, 6-1 से हराकर तीसरे राउंड में जगह बना ली। सबालेंका ने यह मुकाबला सिर्फ 53 मिनट में जीता। विमेंस में जेसिका पेगुला भी आगे बढ़ीं, जबकि मेंस सिंगल्स में डेनियल मेदवेदेव और बेन शेल्टन ने भी तीसरे दौर में जगह बनाई।

अल्काराज ने आर्थर ऐश स्टेडियम में पुर्तगाल के जैमे फारिया को 4-6, 6-0, 6-3, 6-2 से हराया। पहला सेट गंवाने के बाद उन्होंने लगातार तीन सेट जीतकर 2 घंटे 39 मिनट में मुकाबला अपने नाम किया। डिफेंडिंग चैंपियन सबालेंका शुरुआत से ही आक्रामक अंदाज में खेलीं। उन्होंने पहला सेट 6-1 से अपने नाम किया। दूसरे सेट में यात्चेंको ने एक गेम जीता, लेकिन इसके बाद सबालेंका ने लगातार तीन गेम जीतकर मैच खत्म कर दिया।

सबालेंका की US ओपन में यह लगातार 16वीं जीत है। वह फ्लशिंग मीडोज में लगातार तीसरा खिताब जीतने की कोशिश में हैं। तीसरे दौर में उनका सामना उज्बेकिस्तान की कामिला रखिमोवा से होगा। पुरुष सिंगल्स में मेदवेदेव ने अमेरिका के वाइल्ड कार्ड खिलाड़ी सेबेस्टियन गोर्जनी को 6-1, 6-3, 7-5 से हराया।

अल्काराज ने आर्थर ऐश स्टेडियम में पुर्तगाल के जैमे फारिया को 4-6, 6-0, 6-3, 6-2 से हराया।

पेगुला ने केनिन को 56 मिनट में हराया

महिला सिंगल्स में अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला ने हमवतन सोफिया केनिन को 6-3, 6-1 से हराया। पेगुला ने यह मुकाबला 56 मिनट में जीता। 2020 ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन केनिन को पूरे मैच में वापसी का ज्यादा मौका नहीं मिला।

न्यूयॉर्क में बारिश के कारण बाहरी कोर्ट पर मुकाबले प्रभावित हुए। कुछ मैचों को रोकना पड़ा, जबकि आर्थर ऐश और लुई आर्मस्ट्रांग स्टेडियम के कवर होने के कारण वहां मुकाबले जारी रहे। बारिश की वजह से टूर्नामेंट के पहले दौर के कुछ मैच भी बुधवार तक खिंच गए।

मनोरंजन

भारत से बेहतर है पाकिस्तान कोक स्टूडियो : आतिफ असलम

भारतीय संगीत में कमर्शियलाइजेशन ज्यादा

नई दिल्ली। पाकिस्तानी सिंगर आतिफ असलम ने भारत और पाकिस्तान के लोकप्रिय संगीत प्लेटफॉर्म 'कोक स्टूडियो' के बीच तुलना करते हुए पाकिस्तान कोक स्टुडियो को बेहतर बताया है। एक इंटरव्यू में आतिफ ने कहा कि कोक स्टूडियो पाकिस्तान की सफलता के पीछे उसका 'रॉ और ओरिजनल' संगीत है, जबकि कोक स्टूडियो इंडिया में 'कमर्शियलाइजेशन' (व्यावसायीकरण) ज्यादा हावी दिखता है। दुबई के रेडियो स्टेशन मिर्ची यूएई को दिए इंटरव्यू में आतिफ असलम ने दोनों देशों के कोक स्टूडियो के काम करने के तरीके पर बात की। आतिफ ने कहा, दोनों ही तरफ संगीत की कंपोजिशन बेहतरीन बनाई जाती है, लेकिन भारतीय संगीत में वह रॉ-नेस गायब है जो हमारे गानों में होती है। इंडियन कोक स्टूडियो कमर्शियलाइजेशन पर बहुत ज्यादा भरोसा करता है और गानों को बाजार के हिसाब से ढालता है। इसके उलट, पाकिस्तानी कोक स्टूडियो पूरी तरह से ओरिजनल कंपोजिशन पर जोर देता है। वहां संगीतकारों के पास अपनी कला दिखाने की आजादी होती है और एक तरह से यह उनके लिए करो या मरो की स्थिति होती है, जहां वे अपनी अलग पहचान जोड़ सकते हैं।

बोलीं- उस रिश्ते ने खुद से प्यार करना सिखाया, पेरेंट्स अब शादी के लिए दबाव नहीं डालते

हर्षिता गौर का दिल टूटा दो साल बाद संभलीं

नई दिल्ली। हर्षिता गौर ने एक्टिंग की शुरुआत टीवी से की और 'मिर्जापुर' से उन्हें अलग पहचान मिली। इंटरव्यू में उन्होंने पहली कमाई, माता-पिता के सपोर्ट और आने वाले प्रोजेक्ट्स समेत कई बातें साझा कीं। उनकी मां डॉक्टर होने के साथ 9 साल तक थिएटर भी कर चुकी हैं।

बचपन में हर्षिता ने एक्टर बनने का सपना देखा था, लेकिन माता-पिता को उम्मीद थी कि यह सपना कुछ समय बाद खत्म हो जाएगा। उन्होंने मुंबई में अपने 12 साल पुराने घर को खरीदने की कोशिश का भी जिक्र किया। इसके अलावा उन्होंने सपनों के राजकुमार, दिल टूटने और खुद को प्यार करना सीखने पर भी बात की।

हां, मेरी मां डॉक्टर हैं, लेकिन उन्होंने पंजाब में करीब 9 साल तक थिएटर भी किया था। बचपन में मुझे पता नहीं था कि वह थिएटर एक्टर रही हैं। जब मैं थोड़ी बड़ी हुई, तब उन्होंने बताया। मुझे लगता है कि एक्टिंग का कीड़ा शायद उन्हीं से आया है।

बचपन में एक्टिंग करने का ख्याल कैसे आया?

मैं करीब 7-8 साल की रही होंगी, जब मैंने मां से कहा था कि मुझे टीवी पर आना है। बचपन में ज्यादा फिल्में नहीं देखती थी, लेकिन 4 साल की उम्र से कथक सीख रही थी और स्टेज पर परफॉर्म करती थी। जब लोग मेरी तारीफ करते थे और मिलने आते थे, तो शायद वहीं से एक्टर बनने का ख्याल आया।

दीपिका पादुकोण ने 8 घंटे शिफ्ट के लिए छोड़ी थी फिल्म, मेल एक्टर्स पर सवाल उठाया था

मैंने रोज 18 घंटे काम किया : प्रीति जिंटा

नई दिल्ली। फिल्म इंडस्ट्री में काम के लंबे घंटों और वर्क-लाइफ बैलेंस को लेकर बहस एक बार फिर तेज हो गई है। लगभग एक दशक के अंतराल के बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रहीं एक्ट्रेस प्रीति जिंटा ने इस मुद्दे पर अपना रुख साफ किया है। मुंबई में अपनी आने वाली एक्शन-कॉमेडी फिल्म 'वाइब' के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में प्रीति जिंटा ने खुलासा किया कि उन्होंने इस फिल्म की शूटिंग के दौरान रोजाना 18 घंटे तक काम किया।

उन्होंने स्पष्ट किया कि हर किसी की अपनी प्राथमिकताएं होती हैं और उन्होंने भारत में अपने कम समय के टूर और अमेरिका में बच्चों के पास जल्दी लौटने के लिए खुद यह लंबा शेड्यूल चुना था।

जब दीपिका पादुकोण की 8 घंटे की वर्किंग डिमांड पर विवाद बढ़ा, तो उन्होंने एक इंटरव्यू में भारतीय फिल्म इंडस्ट्री के दोहराव वाले रवैये पर खुलकर बात की। दीपिका ने CNBC-TV18 को दिए इंटरव्यू में कहा था, यह कोई छिपी हुई बात नहीं है कि भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में कई मेल सुपरस्टार्स् सालों से सिर्फ 8 घंटे ही काम करते आ रहे हैं।

वे सोमवार से शुक्रवार तक 8 घंटे काम करते हैं और वीकेंड्स पर काम नहीं करते। लेकिन जब कोई महिला अपने लिए 8 घंटे की शिफ्ट मांगती है, तो इसे हेडलाइन बना दिया जाता है।

इसी दौरान एक्टर अभिषेक बच्चन का एक पुराना वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें वे 'द कपिल शर्मा शो' में अक्षय कुमार के वर्किंग स्टाइल के बारे में बता रहे थे।

दीपिका ने अपनी लाइफ में बैलेंस बनाए रखने के लिए रोजाना 8 घंटे की वर्क शिफ्ट की मांग रखी थी।

दीपिका पादुकोण की थी 8 घंटे की शिफ्ट की मांग

फिल्म इंडस्ट्री में वर्किंग आवर्स का यह विवाद असल में तब शुरू हुआ था, जब एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण के संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म 'स्पिरिट' (प्रभास स्टारर) और 'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल से अलग होने की खबरें सामने आई थीं।

मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया था कि मां बनने के बाद दीपिका ने अपनी पर्सनल लाइफ और प्रोफेशनल लाइफ में बैलेंस बनाए रखने के लिए रोजाना 8 घंटे की वर्क शिफ्ट की मांग रखी थी।

'बच्चों के पास लौटने के लिए 18 घंटे काम किया'

ट्रेलर लॉन्च के दौरान जब मीडिया ने प्रीति जिंटा से सेट पर लंबे वर्किंग आवर्स के बारे में सवाल किया, तो उन्होंने बताया कि लंबे समय तक शूटिंग करना मुश्किल जरूर था, लेकिन यह उनका अपना व्यक्तिगत फैसला था। 50 साल की प्रीति जिंटा ने कहा, सबकी अपनी पसंद और जरूरतें होती हैं। बेशक, मैंने 18 घंटे तक काम किया क्योंकि मैं अपना काम जितनी जल्दी हो सके खत्म करके अमेरिका वापस अपने बच्चों के पास जाना चाहती थी। मेरा फोकस सिर्फ यही था कि मैं भारत आऊंगी, अपना काम तेजी से पूरा करूंगी और तुरंत लौट जाऊंगी। मैं यहां 30 से 40 दिनों के समय के लिए आई थी। इसलिए मुझे इतनी लंबी शिफ्ट में काम करने में कोई आपत्ति नहीं थी।

54 साल बाद पर्दे पर लौटेगी पाकीज़ा, विदेशों में री-रिलीज होगी मीना कुमारी की फिल्म

मुंबई। अभिनेत्री मीना कुमारी अभिनीत साल 1972 की क्लासिक फिल्म पाकीजा का 4K रीस्टोर वर्जन पहली बार फ्रांस के ल्योन में होने वाले फेस्टिवल ल्यूमेर और बीएफआइ लंदन फिल्म फेस्टिवल में प्रदर्शित किया जाएगा।

कमाल अमरोही के निर्देशन में बनी इस फिल्म को उसके मूल स्वरूप में वापस लाने का काम गैर-लाभकारी संस्था फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन (एफएचएफ) ने किया है, जिसमें दो साल लगे हैं।

आने वाले अक्टूबर महीने में पाकीजा का ल्योन में वर्ल्ड प्रीमियर का नेतृत्व कान और ल्यूमेर के प्रमुख थिएरी फ्रेमाक्स करेंगे। फ्रांस के बाद फिल्म लंदन पहुंचेगी, जहां बीएफआइ आइमैक्स में इसकी स्क्रीनिंग होगी, जिसे एफएचएफ के निदेशक शिवेंद्र सिंह डुंगरपुर पेश करेंगे। इस मौके पर कमाल अमरोही के बच्चे ताजदार व रुखसार और उनके पोते बिलाल अमरोही भी मौजूद रहेंगे।

शिवेंद्र सिंह डुंगरपुर ने कहा- पाकीजा को रीस्टोर करना उनका सपना था, जो अब तक के उनके सबसे कठिन रिस्टोरेशन में से एक है। इस फिल्म को उन्होंने अपने बचपन में बिहार के डुमरांव के एक सिनेमाघर में दादी के साथ देखा था। फिल्म का मूल कैमरा नेगेटिव लगभग पिघल चुका था। रंग फीके पड़ चुके थे और फिल्म पर खरोंच और फफूंदी के निशान थे। ऐसे में कमाल अमरोही की मूल कल्पना को फिर से पर्दे पर जीवित करना सबसे बड़ी चुनौती थी। रीस्टोरेशन के दौरान फिल्म की कुछ मूल तस्वीरें भी मिली, जिन्होंने फिल्म के रंग और दृश्यात्मक रूप को दोबारा तैयार करने में मदद की। डुंगरपुर ने कमाल अमरोही के बेटे ताजदार और बेटी रुखसार से भी सलाह ली। उन्हें फिल्म के निर्माण से जुड़ी कई बातें याद थीं।

हिमालय में 7 मिनट में तबाही चीन की तैयारी नाकाम

कोहराम | पिछली बार झील फटी थी, इस बार ग्लेशियर ही टूट गया

नई दिल्ली, एजेंसी

26 अगस्त को चीन-नेपाल सीमा पर हिमालय की एक घाटी में ऐसी तबाही आई, जिसमें 1200 से ज्यादा लोगों की जान चली गई। हैरानी की बात ये थी कि चीन इस इलाके में ऐसी आपदा से निपटने की तैयारी पहले ही कर चुका था।

14 महीने पहले इसी इलाके में ग्लेशियर की एक झील फटने से भूस्खलन हुआ था। ट्रक, घर और एक पुल बह गए थे। इसके बाद चीन ने करीब छह महीने तक बॉर्डर पोर्ट बंद रखा और बाढ़ से बचाव का सिस्टम मजबूत किया।

पानी के स्तर पर 24 घंटे नजर रखने लगी, तटबंध और बाढ़ रोधी दीवारें बनाई गईं और पानी का रास्ता बदलने के लिए नहरें तैयार की गईं। अधिकारियों और ग्रामीणों

की ट्रेनिंग हुई, मॉक ड्रिल कराई गई और जुलाई में तैयारियों की समीक्षा भी हुई।

यानी पिछली आपदा से सबक लेने में कोई कमी नहीं छोड़ी गई थी। फिर भी 26 अगस्त को कुछ ऐसा हुआ, जिसके लिए ये पूरा सिस्टम तैयार ही नहीं था।

बार-बार प्राकृतिक आपदा झेलने के बाद भी चीन के लिए इस जगह को छोड़ना आसान नहीं है। पिछले एक दशक में ग्यिरोंग पोर्ट चीन और नेपाल के बीच मुख्य व्यापारिक रास्ता बन गया है।

दोनों देशों के कुल व्यापार का करीब एक-तिहाई हिस्सा इसी रास्ते से होता है। हर साल 1.80 लाख से ज्यादा लोग भी यहां से दोनों देशों के बीच आते-जाते हैं। इससे पहले चीन-नेपाल के बीच झांगमू-कोदारी बॉर्डर रूट मुख्य रास्ता था। लेकिन 2015 के नेपाल भूकंप में यह रास्ता बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इसके बाद ग्यिरोंग का महत्व बढ़ता गया।

इस बार झील नहीं, ग्लेशियर टूटा

इस बार बाढ़ किसी ग्लेशियल झील के फटने से नहीं आई। एक ग्लेशियर का बड़ा हिस्सा अचानक टूटकर नीचे आ गया। इसके साथ बर्फ, बड़े पत्थर और पानी इतनी तेजी से नीचे आए कि कुछ ही देर में ये सब सुनामी जैसी लहर में बदल गया।

ग्यिरोंग पोर्ट कॉम्प्लेक्स में पहुंचते ही इस लहर ने 27 इमारतों को तबाह कर दिया। इसके बाद ये तबाही नेपाल की ओर बढ़ गई।

अधिकारियों के मुताबिक, ग्लेशियर का हिस्सा टूटने और ग्यिरोंग पोर्ट तक पहुंचने के बीच सिर्फ छह-सात मिनट का समय था। इतनी कम अवधि में लोगों को चेतावनी देना और उन्हें सुरक्षित जगह पहुंचाना बेहद मुश्किल था।

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, ग्लेशियर का यह हिस्सा अचानक क्यों टूटा, इसकी पूरी तस्वीर अभी साफ नहीं है। इसके पीछे ग्लोबल वार्मिंग के कारण पर्माफ्रॉस्ट के पिघलने और चट्टानों के कमजोर होने जैसी वजहें हो सकती हैं।

चीन के तिब्बत में ग्यिरोंग पोर्ट पर बाढ़ के मलबे में कई लोग दब गए।

एक ही जगह बार-बार क्यों हो रही तबाही?

इस आपदा ने एक बड़ा सवाल खड़ा किया है। ग्यिरोंग पोर्ट जैसी बड़ी सीमा चौकी इतनी जोखिम वाली जगह पर क्यों बनाई गई?

यह पोर्ट एक संकरी घाटी में उस जगह बना है, जहां ल्हेंडे खोला और त्रिशूली नदी मिलती हैं। दोनों नदियों में ग्लेशियरों का पानी आता है। इसी छोटी सी समतल जमीन पर पुल, कस्टम यार्ड, ड्राई पोर्ट और ट्रकों की पार्किंग है। यानी ऊपर पहाड़ों से पानी, बर्फ या मलबा नीचे आता है तो सबसे पहले यही इलाका उसकी चपेट में आता है।

डिजास्टर मैनेजमेंट एक्सपर्ट सस्वता सन्याल के मुताबिक, 2025 में भी लोग इसी कस्टम यार्ड से बह गए थे और इस साल भी यह इलाका फिर तबाही की चपेट में आ गया।

समस्या यह है कि झांगमू वाला रास्ता भी प्राकृतिक आपदाओं से सुरक्षित नहीं है। 2016 में इसी इलाके में ग्लेशियल झील फटने से बाढ़ आई थी। यानी हिमालय में एक रास्ते से दूसरे रास्ते पर जाने से आपदा का खतरा खत्म नहीं होता।

फास्ट न्यूज

भारत के हेल्थकेयर सिस्टम की मुरीद हुईं यूके एनएचएस प्रमुख

लंदन। हेल्थकेयर सिस्टम में हमारा देश भारत, दुनिया के सामने एक मिसाल बनता जा रहा है। NHS इंग्लैंड की चेयरपर्सन डॉ. पेनी डैश ने कहा है कि ब्रिटेन को भारत के हेल्थकेयर सिस्टम से सीखना चाहिए। डॉ. पेनी डैश का मानना है कि हेल्थकेयर सिस्टम में भारत जल्द ही ग्लोबल स्टैंडर्ड सेट कर सकता है जिसे दूसरे देश अपनाना चाहेंगे।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर घुसपैठ की कोशिश नाकाम

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा (KPK) प्रांत में सुरक्षा बलों ने अफगानिस्तान सीमा के पास घुसपैठ की बड़ी कोशिश नाकाम की है। पाकिस्तानी सेना के मीडिया विंग ने बताया कि अफगानिस्तान सीमा के पास चलाए गए ऑपरेशन में 'फितना अल-खवारिज' (TTP) के 15 आतंकवादियों को मार गिराया है। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (ISPR) के अनुसार, फितना अल-खवारिज से जुड़े आतंकवादियों ने 31 अगस्त और 1 सितंबर की मध्य रात्रि उत्तरी वजीरिस्तान क्षेत्र के विपरीत सीमा से घुसपैठ का प्रयास किया था।

'नौकरी करने लायक नहीं जेन-जी'

नई दिल्ली। अमेरिका की प्रमुख कंपनियों में नई पीढ़ी जेन-जी के युवा कर्मचारियों के कामकाज, बातचीत के तरीकों और पेशेवर व्यवहार को लेकर नाराजगी बढ़ रही है। ज्यातर अमेरिकी कंपनियां जेन-जी में कौशल विकास और वर्कप्लेस रेडीनेस को लेकर संतुष्ट नहीं हैं। नई रिपोर्ट के अनुसार, ऑफिस में ईमेल किसे करना है, मीटिंग में असहमति कैसे रखनी है, बॉस से सवाल कब पूछना है ।

भारत की जगह चीन से महंगी बिजली खरीद रहा बांग्लादेश

दोगुनी कीमत चुका रहा, फैसले के लेकर देश में विरोध

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश भारत से मिलने वाली सस्ती बिजली के बावजूद चीन से महंगी बिजली खरीद रहा है। ढाका के पास अमीनबाजार में लग रहे वेस्ट-टू-एनर्जी प्रोजेक्ट से 42 MW बिजली 25 टका यानी करीब 19.25 रुपए प्रति यूनिट की दर से खरीदी जाएगी। इसके लिए 25 साल का करार हुआ है।

भारत से बांग्लादेश को करीब 11 टका यानी 8.50 रुपए प्रति यूनिट की दर से बिजली मिल रही है। चीन से मिलने वाली बिजली की कीमत भारत से दोगुने से भी ज्यादा है। 2 सितंबर को बीजिंग में हुए इस समझौते का बांग्लादेश में विरोध हो रहा है।

भारत के केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग (CERC) ने सीमा-पार बिजली लेनदेन और ग्रिड से जुड़े खर्च के लिए 1 पैसे प्रति यूनिट शुल्क प्रस्तावित किया था।

बांग्लादेश पावर डेवलपमेंट बोर्ड (BPDB) ने इसका विरोध किया। इसके बाद भारत ने शुल्क को घटाकर आधा पैसा प्रति यूनिट करने की बात कही।

अमीनबाजार का प्रोजेक्ट सिर्फ बिजली बनाने के लिए नहीं है। इसमें ढाका के कचरे का इस्तेमाल बिजली उत्पादन के लिए किया जाएगा।

करीब 2.3 करोड़ आबादी वाले ढाका में रोजाना 8 हजार मीट्रिक टन कचरा निकलता है। वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट से कचरे की समस्या कम करने के साथ बिजली भी पैदा होगी।

बांग्लादेश इस समय बिजली की कमी और पावर कट की समस्या से जूझ रहा है।

भारत-ईरान के बीच ट्रेड डील पर बातचीत नहीं : रूबियो

तेहरान की मदद करने वालों पर बैन लगाएंगे

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि भारत और ईरान के बीच कोई ट्रेड डील हुई है। उनसे PM मोदी और ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान की मुलाकात को लेकर सवाल किया गया था। उन्होंने चेतावनी भी दी कि अगर कोई देश ईरान को अमेरिकी प्रतिबंधों से बचने में मदद करेगा, तो अमेरिका उस देश पर भी प्रतिबंध लगा सकता है। अमेरिकी विदेश मंत्री का बयान PM मोदी और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान की SCO समिट के दौरान हुई मुलाकात के बाद आया है। दोनों नेताओं ने भारत-ईरान संबंध, व्यापार और पश्चिम एशिया के हालात पर चर्चा की थी। मोदी ने कहा था कि भारत ईरान के साथ अपने पुराने संबंधों को और मजबूत करना चाहता है। दोनों देशों के बीच

व्यापार बढ़ाने और नए क्षेत्रों को इसमें शामिल करने पर भी जोर दिया गया था। मोदी ने कहा था कि भारत BRICS और SCO जैसे मंचों पर ईरान के साथ सहयोग जारी रखेगा। उन्होंने पजशकियान को 12-13 सितंबर को नई दिल्ली में होने वाले BRICS शिखर सम्मेलन में शामिल होने का न्योता भी दिया। भारत और ईरान के बीच 2024-25 में 1.68 अरब डॉलर (करीब 15,960 करोड़) का कारोबार हुआ। इसमें भारत ने ईरान को 1.24 अरब डॉलर का निर्यात किया, जबकि ईरान से 44 करोड़ डॉलर का आयात हुआ।

रूस-यूक्रेन ने ब्लैक सी में 300 जहाजों पर हमले किए

दुनिया में गेहूं-मक्का महंगा होने का खतरा

कीव, एजेंसी

रूस-यूक्रेन युद्ध में ब्लैक सी अब जंग का बड़ा मोर्चा बन गया है। पिछले करीब डेढ़ महीने में दोनों देशों ने 300 से ज्यादा जहाजों को निशाना बनाया है।

इनमें अनाज ले जाने वाले जहाज, तेल टैंकर और दूसरे मालवाहक पोत शामिल हैं।लगातार हमलों से ब्लैक सी का समुद्री व्यापार प्रभावित हुआ है।

जहाज मालिक इस रूट पर जाने से बच रहे हैं और माल ढुलाई की लागत बढ़ रही है। इसका असर दुनिया की खाद्य सप्लाई पर पड़ने का खतरा है।

गेहूं और मक्का की कीमतों में तेजी आ सकती है। रूस और यूक्रेन मिलकर दुनिया के करीब 30% गेहूं निर्यात का हिस्सा रखते हैं। दोनों देशों का ज्यादातर अनाज ब्लैक सी

के रास्ते दूसरे देशों तक पहुंचता है।

अगस्त में रूस का कुल अनाज निर्यात पिछले साल के 59 लाख टन से घटकर 17 लाख टन रह गया। यानी करीब 71% की गिरावट आई।

रूस का गेहूं निर्यात भी 50 लाख टन से घटकर 13 लाख टन रह गया। रूसी गेहूं खरीदने वाले देशों की संख्या 43 से घटकर 16 रह गई है। वहीं, रूस से अनाज भेजने वाले बंदरगाहों की संख्या 47 से घटकर 10 रह गई। देश के सबसे बड़े बंदरगाह नोवोरोसिस्क से शिपमेंट 24.9 लाख टन से घटकर 10.4 लाख टन रह गया।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96

बैंक ऑफ इंग्लैड में रखा, कहा- संकट आने पर यहां आसानी से बेच सकेंगे

नीदरलैंड्स ने अमेरिका-कनाडा से 86 टन सोना हटाकर लंदन भेजा

लंदन, एजेंसी

नीदरलैंड्स ने अमेरिका और कनाडा में रखा अपना 86 टन सोना निकालकर लंदन भेज दिया है। डच सेंट्रल बैंक (DNB) के मुताबिक, यह ट्रांसफर मार्च से अगस्त के बीच कई महीनों में किया गया। अब यह सोना बैंक ऑफ इंग्लैंड में रखा गया है। DNB ने बताया कि संकट की स्थिति में लंदन में रखा सोना ज्यादा आसानी से खरीदा-बेचा जा सकता है। बैंक ने इस फैसले के पीछे दुनिया में बढ़ते राजनीतिक तनाव का भी हवाला दिया है। इस ट्रांसफर से पहले DNB के कुल सोने का 31.3% न्यूयॉर्क और 19.7% ओटावा में रखा था। ट्रांसफर के बाद दोनों जगहों पर सोने की हिस्सेदारी घटकर 18.5% रह गई। वहीं, लंदन में रखे सोने की हिस्सेदारी 18.1% से बढ़कर 32.1% हो गई है। नीदरलैंड्स में 30.8% सोना अब भी रखा हुआ है। DNB के मुताबिक, 2025 के अंत में नीदरलैंड्स के पास कुल 612.4 टन सोना था। इसकी कीमत करीब 72.2 अरब यूरो (करीब 8 लाख करोड़ भारतीय रुपए) थी। फ्रांस की नेशनल गोल्ड काउंटर के प्रेसिडेंट लॉरेंट श्वार्ट्ज ने कहा कि दुनिया के कई सेंट्रल बैंक पिछले करीब 10 साल से अपने सोने को अलग-अलग देशों में रखने की जगह बदल रहे हैं। उनके मुताबिक, अमेरिका के मौजूदा राजनीतिक माहौल को देखते हुए भी कुछ सेंट्रल बैंक अपने सोने को दूसरे देशों में रखना पसंद कर सकते हैं।